

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग

भाईदूज की हार्दिक शुभकामनाएं

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-256 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, मंगलवार, 10 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

दिन में सुधरती हवा, रात में जहरीली हो रही आबोहवा

यूनिक समय, मथुरा। शहर की आबोहवा दिन में कुछ राहत देती है, लेकिन रात होते ही प्रदूषण का स्तर फिर खतरनाक स्थिति में पहुंचने लगता है। धूल, धुआं और सर्दी के चलते हवा में प्रदूषक तत्वों का जमाव बढ़ रहा है। सोमवार रात मथुरा का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 310 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में है। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे एक्यूआई घटकर 240 पर पहुंचा, जबकि दोपहर करीब एक बजे यह और सुधरकर 183 दर्ज किया गया।



मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, दिन में तापमान बढ़ने और हवा चलने से प्रदूषक तत्वों का फैलाव हो जाता है। इससे एक्यूआई के स्तर में गिरावट आती है। इसके विपरीत रात में तापमान कम होने और हवा की गति धीमी

रात में 310 तक पहुंचा एक्यूआई, सुबह 240 और दोपहर में 183 पर आया

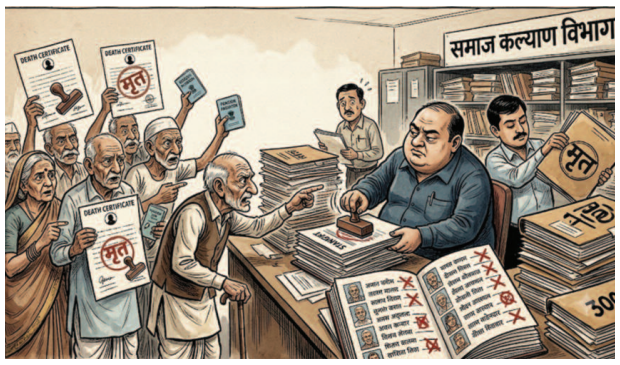
धूल, धुआं और सर्दी के चलते बढ़ रहा प्रदूषण, सांस के मरीजों की बढ़ी परेशानी

पड़ने से धूल और धुएं के कण वातावरण में नीचे की सतह पर जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि रात के समय प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है।

शहर में वाहनों से निकलने वाला धुआं, सड़कों पर उड़ती धूल, निर्माण कार्यों से निकलने वाले महीन कण, औद्योगिक इकाइयों का उत्सर्जन और कूड़ा आदि जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है। सर्दियों में हवा की कम गति और तापमान की स्थिति प्रदूषकों को वातावरण में लंबे समय तक बनाए रखती है।

एक्यूआई बढ़ने का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। 301 से 400 के बीच एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में आता है। इस स्तर पर लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से स्वस्थ लोगों को भी सांस लेने में परेशानी हो सकती है। वहीं अस्थमा, हृदय रोग और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी और सांस फूलने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में सुबह और रात के समय विशेष सावधानी बरतने, खुले में अनावश्यक गतिविधियां कम करने तथा धूल और धुएं पर नियंत्रण की जरूरत है।

सरकारी सत्यापन में 645 पेंशनधारक कागजों में मरे, 590 निकले जिंदा



यूनिक समय, मथुरा। सरकारी सिस्टम की लापरवाही का इससे बड़ा उदाहरण क्या होगा कि सत्यापन के नाम पर सैकड़ों जिंदा लोगों को कागजों में मृत घोषित कर दिया गया। सचिव और अन्य ने पांच साल के दौरान 645 पेंशनधारकों को अभिलेखों में मृत दर्शा दिया और उनकी पेंशन बंद कर दी। हकीकत यह रही कि इनमें से अधिकांश लोग जिंदा थे और अपनी ही पेंशन दोबारा शुरू कराने के लिए विभाग के चक्कर काटते रहे। हर बार उन्हें यही जवाब मिला कि पेंशन ऊपर से बंद हो गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए समाज कल्याण विभाग निदेशालय ने वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 तक मृत घोषित किए गए पेंशनधारकों का दोबारा सत्यापन कराया। इस प्रक्रिया में सरकारी रिकॉर्ड की बड़ी गड़बड़ी सामने आई। पुनः सत्यापन में 590 ऐसे पेंशनधारक मिले, जिन्हें कागजों में मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि वे जीवित थे। वहीं 55 पेंशनधारक वास्तव में मृत पाए गए।

इस तरह दोबारा सत्यापन ने सरकारी

पांच साल तक पेंशन के लिए विभाग के चक्कर काटते रहे पात्र, पुनः सत्यापन में खुली सरकारी सिस्टम की पोल

2021-22 से 2025-26 तक मृत घोषित किए गए पेंशनधारकों का हुआ दोबारा सत्यापन, अब खातों में पहुंचेगी पेंशन

कर्मचारियों की कार्यप्रणाली और सत्यापन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब जीवित पाए गए पेंशनधारकों की पेंशन दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया की जाएगी। लंबे समय से पेंशन के इंतजार में बैठे इन बुजुर्गों और जरूरतमंदों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, सवाल यह भी है कि जिन कर्मचारियों ने बिना सही जांच के इन लोगों को मृत घोषित किया, उनकी जवाबदेही आखिर कौन तय करेगा।

समाज कल्याण विभाग की ओर से पात्र महिला और पुरुषों को प्रतिमाह एक हजार रुपये पेंशन दी जाती है। इसका भुगतान हर तीन माह के अंतराल पर लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाता है। जिले में करीब 67 हजार पेंशनधारक इस योजना का लाभ ले रहे हैं। ऐसे में सैकड़ों पात्रों की पेंशन बंद होना महज आंकड़ों की गड़बड़ी नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के हक और सरकारी व्यवस्था की संवेदनशीलता से जुड़ा गंभीर मामला है।

ऊंचला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि शासन के निर्देश पर पांच साल के दौरान मृत घोषिसत किए गए पेंशन धारकों को पुनः सत्यापन कराया गया, जिसमें 590 जिंदा और 55 मृत मिले हैं। सत्यापन से जुड़ी जानकारी शासन को भेजी गई है। अब ऐसे लोगों की पेंशन जल्द शुरू होगी।



मंगलवार को महाविद्या स्थित गिर्राज मंदिर में गिरिराज महाराज का सजा फूल बंगला।

400 ग्राम चौकीदारों के भरोसे जनपद के थाने, 200 पद खाली

गांवों में अपराध की सूचना देने वाले चौकीदारों का टोटा

लाल साफा, आधी धोती और लाठी-बल्लम थी पहचान बदलते दौर में घटी अहमियत

यूनिक समय, मथुरा। कभी गांवों में पुलिस के सूचना तंत्र की रीढ़ माने जाने वाले ग्राम चौकीदार अब खुद कमी से जूझ रहे हैं। गांव की छोटी से छोटी घटना और अपराधियों की गतिविधियों की जानकारी थाने तक पहुंचाने वाले ग्राम चौकीदारों की जनपद में करीब 200 पद खाली हैं। वर्तमान में लगभग 400 ग्राम चौकीदार ही थानों से जुड़े हुए हैं, जबकि पहले इनकी संख्या करीब 600 हुआ करती थी।

पुराने समय में ग्राम चौकीदार की गांव में अलग पहचान और अहमियत होती थी। लाल साफा, आधी धोती और हाथ में लाठी अथवा बल्लम उनकी पहचान हुआ करती थी। गांव में होने वाली हर छोटी-बड़ी घटना, संदिग्ध व्यक्ति और आपराधिक



गतिविधियों पर उनकी नजर रहती थी। सप्ताह में एक दिन थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को गांव का पूरा हाल बताना उनकी जिम्मेदारी थी। कौन व्यक्ति आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है और कौन पुलिस की मदद कर सकता है, इसकी जानकारी भी चौकीदार पुलिस को देते थे।

ग्राम चौकीदार पुलिस और ग्रामीणों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी होते थे। गांव में उनकी मौजूदगी का एक अलग प्रभाव था। समय के साथ संचार के साधन बदले तो चौकीदारों की भूमिका भी प्रभावित हुई। मोबाइल फोन और व्हाट्सएप के दौर में अब गांव की सूचनाएं सीधे पुलिस तक पहुंचने लगी हैं। ऐसे में ग्राम चौकीदारों की पुरानी भूमिका पहले जैसी नहीं रह गई है। अब अधिकांश चौकीदार थानों में हाजिरी लगाने और सौंपे गए छोटे-मोटे कामों तक सीमित रह गए हैं।

बताया जाता है कि जनपद के थानों में पहले करीब 600 ग्राम चौकीदार तैनात थे। इनमें से कई की मृत्यु हो गई, जबकि कुछ ने नौकरी छोड़ दी। इसके चलते वर्तमान में इनकी संख्या घटकर करीब 400 रह गई है। लगभग 200 पदों पर नई नियुक्तियां होनी हैं। इसके लिए थाना प्रभारी स्तर से रिक्त पदों पर चौकीदारों की नियुक्ति की संस्तुति अधिकारियों को भेजी जाएगी। स्वीकृति के बाद संबंधित थानों में नए ग्राम चौकीदारों की तैनाती की जाएगी।



जंक्शन के तृतीय प्रवेश द्वार पर बनेगा रेलवे फूड जोन

यात्रियों को मिलेगी खानपान की सुविधा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के तृतीय प्रवेश द्वार पर रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए फूड जोन विकसित करेगा। इसके लिए रेलवे ने होल्डिंग एरिया और बिजली कार्यालय के बीच जमीन चिन्हित कर ली है। यहां खानपान की दुकानें बनाई जाएंगी, जिन्हें रेलवे किराये पर आवंटित करेगा। डीआरएम ने फूड जोन विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

रेलवे की इस पहल से तृतीय प्रवेश द्वार पर आने–जाने वाले यात्रियों को खाने-पीने की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। अभी यात्रियों को खानपान की सामग्री खरीदने के लिए इधर–उधर जाना पड़ता है। फूड जोन बनने के बाद एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के खानपान के विकल्प उपलब्ध हो सकेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, फूड जोन के लिए उपयुक्त स्थान का चयन कर लिया गया है। होल्डिंग एरिया और बिजली कार्यालय के बीच उपलब्ध जमीन पर दुकानें विकसित करने की योजना है। रेलवे की ओर से इन दुकानों का निर्माण कराया जाएगा। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत दुकानों को किराये पर दिया जाएगा।



रेलवे की आय में होगा इजाफा

फूड जोन के विकसित होने से यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ रेलवे की आय में भी बढ़ोतरी होगी। साथ ही स्थानीय व्यापारियों को भी कारोबार का अवसर मिल सकेगा।

एमसीओ कार्यालय के पास से हटेगा गंदगी का ढेर

जंक्शन के तृतीय प्रवेशद्वार के निकट सेना की मूवमेंट कंट्रोल आफिस (एमसीओ) है। इसके निकट खाली पड़ी जमीन पर कचरे का ढेर लगा है। रेलवे इस खाली जमीन को समतल कर इसे भी व्यावसायिक उपयोग में लेगा। इसके आदेश मंडल रेल प्रबंधक ने जारी कर दिए हैं।

“ जंक्शन के तृतीय प्रवेशद्वार पर फूड जोन विकसित किया जाएगा। इसके लिए होल्डिंग एरिया और बिजली कार्यालय के निकट जमीन चिन्हित की गई है। एमसीओ कार्यालय के निकट खाली पड़ी जमीन की सफाई करा कर उसका व्यावसायिक उपयोग किया जाएगा।

सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।



राधे–राधे के जयकारों से गूंजा वृंदावन, दर्शन को उमड़े भक्त



मंगलवार को बांकेबिहारी मंदिर को जाने वाली राह में लगी श्रद्धालुओं की भीड़।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी में ठाकुर बांके बिहारी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर की ओर जाने वाली संकरी गलियां भक्तों से खचाखच भर गईं। मंदिर के बाहर ही नहीं, बल्कि परिसर के अंदर भी दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं में अपने आराध्य की एक झलक पाने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों पर सुबह से ही भक्तों की आवाजाही लगातार बनी रही। हाथों में फूल और प्रसाद लिए श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। भीड़ का दबाव इतना रहा कि गलियों में कई स्थानों पर भक्तों को धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ा। मंदिर परिसर में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। हर कोई ठाकुरजी के दर्शन कर अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करता दिखाई दिया।

मंदिर के बाहर से परिसर तक भक्तों की भीड़ राधे–राधे के जयकारों से गूंजा वृंदावन

कार्तिक मास और गोवर्धन पूजा पर ब्रज में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से वृंदावन के प्रमुख मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में सुबह से शाम तक भक्तों का रेला लगा रहा।

राधे-राधे और जय श्री बांके बिहारी के जयकारों से मंदिर की गलियां गुंजायमान होती रहीं। ठाकुरजी के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा ने पूरे वृंदावन को भक्तिमय बना दिया।

राधावल्लभ मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



मंगलवार को राधाबल्लभ मंदिर में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

ठाकुरजी के दर्शन को सुबह से लगी भक्तों की कतार

जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी में मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति का उल्लास देखने को मिला। प्राचीन राधावल्लभ मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर के पट खुलते ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। दिन चढ़ने के साथ ही दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ती चली गई और मंदिर परिसर भक्तों से गुलजार हो उठा। मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने राधावल्लभ लाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर राधे-राधे के जयकारों से गुंजायमान रहा। अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए भक्तों में खासा उत्साह नजर आया। महिला, पुरुष और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। दूर-दराज के शहरों और दूसरे प्रांतों से आए भक्तों ने भी मंदिर में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया।

कई श्रद्धालु दर्शन के यादगार पलों को मोबाइल कैमरों में कैद करते दिखाई दिए। मंदिर में दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही। ठाकुरजी के दर्शन और भजन–कीर्तन के बीच पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण छाया रहा।

भाई–बहन के अटूट प्रेम की पहचान है यमुना–धर्मराज मंदिर

यम द्वितीया पर हाथ पकड़कर यमुना में डुबकी लगाने की अनूठी परंपरा, देशभर से पहुंचते हैं श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी के विश्राम घाट पर स्थित यमुना महारानी और धर्मराज का प्राचीन मंदिर सदियों से भाई–बहन के अटूट प्रेम और विश्वास की गवाही दे रहा है। समय बदला, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन इस मंदिर से जुड़ी आस्था और परंपरा आज भी कायम है। यम द्वितीया यानी भाई दूज पर यहां आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ता है, जिसमें भाई–बहन के रिश्ते की पवित्रता और धार्मिक मान्यताओं का अद्भुत संगम दिखाई देता है। देश के विभिन्न प्रांतों से आने वाले भाई–बहन एक-दूसरे का हाथ पकड़कर यमुना में डुबकी लगाते हैं और भाई की दीर्घायु, सुख–समृद्धि की कामना करते हैं।



विश्राम घाट स्थित मंदिर में विराजमान यमुना और धर्मराज की प्रतिमा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यमुना महारानी और धर्मराज (यमराज) सूर्यदेव और माता संज्ञा की संतान हैं। दोनों भाई-बहन हैं। मान्यता है कि एक बार यमुना महारानी ने अपने भाई धर्मराज को घर भोजन के लिए आमंत्रित किया। बहन के स्नेह और आतिथ्य से प्रसन्न होकर धर्मराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। इस पर यमुना महारानी ने वरदान मांगा कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को जो भाई-बहन उनके पवित्र जल में एक-दूसरे का हाथ पकड़कर स्नान करेंगे, उन्हें यमलोक के कष्टों का भय नहीं रहेगा। धर्मराज ने बहन की इच्छा स्वीकार कर ली। तभी से इस तिथि को यम द्वितीया के रूप में मनाने और भाई–बहन के साथ यमुना स्नान करने की परंपरा चली आ रही है।

विश्राम घाट स्थित मंदिर को लेकर मान्यता है कि इसका निर्माण भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ ने कराया था। मंदिर में यमुना महारानी और धर्मराज की प्रतिमाएं विराजमान हैं। इनके साथ धर्मराज के लेखाधिकारी चित्रगुप्त की प्रतिमा भी स्थापित है। हालांकि वर्षभर मंदिर में भक्तों का आवागमन रहता है, लेकिन यम द्वितीया पर इसका धार्मिक महत्व विशेष रूप से बढ़ जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की जरूरत : रंजना



मंदिर की सेवायत रंजना शैलेंद्रनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि यह प्राचीन मंदिर सदियों से चली आ रही धार्मिक परंपराओं का प्रमुख केंद्र है। वर्ष में दो प्रमुख अवसरों पर यहां श्रद्धालुओं की विशेष आवाजाही रहती है। यम द्वितीया पर लाखों श्रद्धालु यमुना स्नान और धर्मराज के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यह मंदिर केवल मथुरा ही नहीं, बल्कि पूरे सनातन धर्म की आस्था और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा है। प्रदेश सरकार को इस प्राचीन मंदिर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विशेष पहल करनी चाहिए।



त्योहारों पर पुलिस अलर्ट, मंदिरों से रेलवे स्टेशन तक सघन चेकिंग

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा और दीपावली सहित अन्य त्योहारों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मंगलवार को एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर जिले के प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। स्थानीय पुलिस के साथ एलआईयू और एंटी सबोटाज टीमों ने भी संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की जांच की।

अभियान के तहत गोवर्धन थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध दानघाटी मंदिर, मानसी



गंगा मंदिर, बस स्टैंड और परिक्रमा मार्ग पर चेकिंग की गई। वहीं वृंदावन में ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर, इस्कॉन मंदिर, प्रेम मंदिर, माता वैष्णो देवी मंदिर और छटीकरा स्थित चारधाम मंदिर में

दानघाटी, बांके बिहारी और श्रीकृष्ण जन्मभूमि समेत प्रमुख स्थलों पर जांच

एलआईयू और एंटी सबोटाज टीमों ने संभाला मोर्चा संदिग्धों पर रही नजर

सुरक्षा टीमों ने जांच अभियान चलाया।

इसके अलावा बीडीडीएस टीम ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि, पुराना बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, द्वारकाधीश मंदिर, पोतरा कुंड, होलीगेट और शाही ईदगाह मस्जिद परिसर में विशेष चेकिंग की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं पर नजर रखी गई।

त्योहारों पर बाजारों और धार्मिक स्थलों पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने अधीनस्थों को सतर्कता बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।



फ्लाईओवर पर कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

जीजा के साथ इटावा से दिल्ली जा रहा था साबिर अली, बाइक चला रहा जीजा घायल

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार सुबह दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना फरह क्षेत्र के फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठे युवक की सड़क पर गिरने से मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा उसका जीजा मामूली रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, इटावा के सकरनगर निवासी साबिर अली दिल्ली में पानी के प्लांट पर नौकरी करता था। वह अपने जीजा आसिफ अली के साथ बाइक से इटावा से दिल्ली जा रहा था। बाइक आसिफ अली चला रहा था, जबकि साबिर पीछे बैठा हुआ था। दोनों फरह फ्लाईओवर पर पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आए कंटेनर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही साबिर सड़क पर जा गिरा और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। हादसे में आसिफ अली को भी मामूली चोटें आईं।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही फरह पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी पोस्टमार्टम गृह पहुंच गए।

यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार दो कारों में भिड़ंत

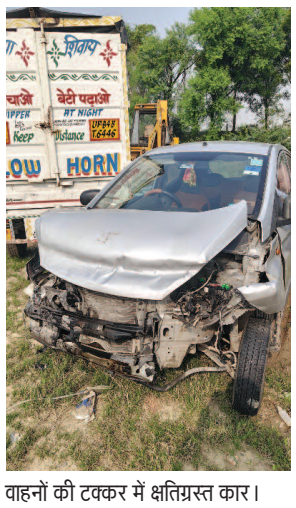
हादसे में चार लोग घायल एंबुलेंस से सीएचसी नौहझील भेजे गए

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार के चलते दो कारों की भिड़ंत हो गई। थाना नौहझील क्षेत्र में माइलस्टोन 72 पर हुए हादसे में चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नौहझील भिजवाया।

बाजना चौकी प्रभारी हरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे नोएडा से आगरा की ओर जा रही एक कार को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

आगे चल रही कार में जॉनी यादव, अंजू और ज्योति सवार थे। वहीं, दूसरी कार को संतोष पुत्र राधेश्याम पाल निवासी असरेवा, थाना बीकापुर, अयोध्या चला रहे थे। उनके साथ कार में तीन अन्य यात्री भी सवार थे।

टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों



वाहनों की टक्कर में क्षतिग्रस्त कार।

कारें क्षतिग्रस्त हो गईं और चार लोग घायल हो गए। इनमें ज्योति के बाएं हाथ में चोट आई, जबकि दूसरी कार में सवार तीन अन्य यात्री भी घायल हुए।

पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी नौहझील पहुंचाया। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को एक्सप्रेसवे से हटवाकर यार्ड में खड़ा करा दिया गया। इसके बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारू हो सका।

ईडी अफसर बनकर जमाता रहा रौब, अब पहुंचा जेल

कार पर नीली बत्ती लगाकर अधिकारियों को देता था झांसा, पुलिस ने शुरू की कुंडली खंगालने की जांच

यूनिक समय, मथुरा। दो साल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर अधिकारियों और आम लोगों पर रौब गांठने वाले सचिन शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। आरोपी कार पर नीली बत्ती लगाकर चलता था और खुद को ईडी का बड़ा अधिकारी बताकर सरकारी कार्यालयों में धौंस जमाता था। अब पुलिस उसके दो साल के कथित फर्जीवाड़े और गतिविधियों की पड़ताल में जुट गई है।

सचिन शर्मा ने अपनी ऐसी छवि बना रखी थी कि सरकारी कार्यालयों में पहुंचने पर अधिकारी भी उसे ईडी का असिस्टेंट डायरेक्टर समझकर सम्मान देते थे। वह अधिकारियों के साथ बैठकर बातचीत करता और कई बार अपनी कथित हैसियत का हवाला देकर उनकी बातों को प्रभावित करने का प्रयास करता था। उसकी वेशभूषा, कार पर नीली बत्ती और अधिकारियों के बीच आवाजाही देखकर किसी को उसके फर्जी होने का संदेह नहीं होता था। बताया जाता है कि सीओ रिफाइनरी कार्यालय में भी उसका काफी आना-जाना था। सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी ने उसकी गतिविधियों और पहचान के संबंध में जानकारी जुटाई तो मामला संदिग्ध निकला। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

रिफाइनरी थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने दो साल के दौरान किन-किन सरकारी कार्यालयों में अपनी फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया और कितने लोगों को अपने झांसे में लिया।

खेत को लेकर दो पक्ष भिड़े

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां क्षेत्र में एक खेत की जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। एक पक्ष ने मारपीट करने के आरोप लगाते हुए महिलाओं से अभद्रता करने की भी पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लंच से पहले ही स्कूल पर लटका ताला, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल



वायरल वीडियो ने खोली विद्यालय की व्यवस्था की पोल

बीईओ ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

यूनिक समय, फरह। सरकारी स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर जिम्मेदारों की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। फरह क्षेत्र के गांव जोधपुर स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को निर्धारित समय से करीब साढ़े तीन घंटे पहले ही छुट्टी कर दी गई। दोपहर का भोजन होने से पहले ही विद्यालय बंद मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना ने स्कूल के संचालन और शिक्षकों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय निर्धारित समय से पहले ही बंद कर दिया गया था। वीडियो में स्कूल बंद दिखाई दे रहा है। सरकारी विद्यालयों में बच्चों की नियमित पढ़ाई और निर्धारित समय तक शिक्षण कार्य कराने के निर्देशों के बावजूद इस तरह की लापरवाही सामने आने से अभिभावकों में नाराजगी है। सवाल उठ रहा है कि जब स्कूल ही समय से पहले बंद हो जाएगा तो बच्चों की पढ़ाई कैसे पूरी होगी।

मामले का खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार ने संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो और फोटो के आधार पर विद्यालय के समस्त स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जवाब मिलने के बाद आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अब निगाहें विभागीय जांच पर टिकी हैं। देखना होगा कि लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है या मामला नोटिस और जवाब तक ही सिमटकर रह जाता है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



भाई–बहन के अटूट प्रेम का साक्षी बनेगी यमुना, यम द्वितीया की तैयारियां पूरी



यमुना में स्नान करते भाई- बहन।



मंगलवार का विश्राम घाट पर यमुना में स्नान करते श्रद्धालु।



मंगलवार को यमुना में गंदगी समेटती नगर निगम की मशीन।

विश्राम घाट से पल्लीपार तक नगर निगम ने संभाली कमान, मशीनों से हटाई जा रही यमुना की गंदगी

पर्व से एक दिन पहले ही भाई–बहनों ने लगाई डुबकी घाटों पर उमड़ने लगे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में भाई–बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और आस्था का महापर्व यम द्वितीया बुधवार को मनाया जाएगा। सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार इस दिन भाई-बहन एक-दूसरे का हाथ पकड़कर यमुना महारानी के पवित्र जल में डुबकी लगाएंगे। पर्व को लेकर मंगलवार से ही देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का मथुरा पहुंचना शुरू हो गया। विश्राम घाट सहित प्रमुख यमुना घाटों पर स्नान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पर्व पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए नगर निगम ने सफाई, रोशनी और सुरक्षित स्नान के इंतजाम किए हैं। यम द्वितीया मथुरा की धार्मिक पहचान से जुड़ा प्रमुख पर्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन भाई-बहन के यमुना में एक साथ स्नान करने से भाई को यमराज के भय से मुक्ति मिलती है। इसी आस्था के चलते हर वर्ष हजारों भाई-बहन यहां पहुंचते हैं। बुधवार को मुख्य पर्व होने के बावजूद मंगलवार को भी बहनें अपने भाइयों का हाथ पकड़कर यमुना में डुबकी लगाती और उनकी दीर्घायु की कामना करती नजर आईं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम ने विश्राम घाट से लेकर पल्लीपार क्षेत्र तक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया है। यमुना में जमा गंदगी को हटाने के लिए मशीनों से सफाई कराई जा रही है। घाटों पर साफ-सफाई के साथ पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। स्नान के दौरान किसी अनहोनी को रोकने के लिए यमुना में बल्लियां लगाकर सुरक्षित स्नान क्षेत्र निर्धारित किया गया है। गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए हरे रंग के संकेतक भी लगाए गए हैं। इसके अलावा लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने और निर्धारित सीमा में रहकर स्नान करने की अपील की जा रही है। मंगलवार से ही घाटों पर बढ़ती श्रद्धालुओं की आवाजाही ने यम द्वितीया के उल्लास और धार्मिक उत्साह का अहसास करा दिया है।

परिक्रमा में उमड़ा आस्था का महासैलाब वृंदावन भी भक्तों से हुआ गुलजार

गोवर्धन से वृंदावन तक उमड़े श्रद्धालु

कार्तिक की भक्ति में सराबोर हुआ ब्रज



मंगलवार को वृंदावन में परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। मंगलवार को कार्तिक मास की धार्मिक आस्था का अद्भुत नजारा ब्रज में देखने को मिला। गोवर्धन की सप्तकोसीय परिक्रमा में श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा परिक्रमा मार्ग भक्तों से पट गया।

तड़के से ही देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। गिरिराज महाराज के जयकारों के बीच हजारों कदम परिक्रमा मार्ग पर आगे बढ़ते रहे। कोई नंगे पैर परिक्रमा कर रहा था तो कोई दंडवती परिक्रमा लगाकर अपनी श्रद्धा अर्पित कर रहा था। परिवारों और भक्तों की टोलियों से पूरा मार्ग आस्था के रंग में रंगा नजर आया।

उधर, वृंदावन में भी श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा।

परिक्रमा मार्ग पर सुबह से देर शाम तक भक्तों की आवाजाही बनी रही। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे राधे-राधे का संकीर्तन करते हुए परिक्रमा करते दिखाई दिए। मंदिरों में दर्शन के लिए भी भक्तों की कतारें लगी रहीं। बांके बिहारी लाल और राधे-राधे के जयकारों से गलियां और परिक्रमा मार्ग गुंजायमान होते रहे।

कार्तिक मास में ब्रज दर्शन और परिक्रमा की विशेष धार्मिक मान्यता के चलते दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा और वृंदावन की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गोवर्धन से वृंदावन तक हर ओर श्रद्धा का ज्वार और भक्ति का उल्लास दिखाई दिया।

यम द्वितीया स्नान को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

होलीगेट समेत प्रमुख मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित, सेठ बीएन पोद्दार में होगी पार्किंग

घाटों पर महिला पुलिस तैनात शहर में दौड़ेंगी पुलिस मोबाइल

यूनिक समय, मथुरा। यम द्वितीया पर बुधवार को यमुना के विश्राम घाट सहित अन्य घाटों पर होने वाले स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात के कड़े इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शहर में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ा कराया जाएगा। एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि यम द्वितीया पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना स्नान के लिए पहुंचते हैं। स्नान के दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं के सामान की सुरक्षा और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा होलीगेट सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। शहर में लगातार पुलिस मोबाइल गश्त करती रहेंगी और अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए होलीगेट की ओर आने वाले वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। तिपहिया और चारपहिया वाहनों को इस मार्ग पर जाने की अनुमति नहीं होगी। चौक बाजार से द्वारिकाधीश मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर भी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। इसी तरह कृष्णापुरी से होलीगेट और विश्राम घाट की ओर किसी भी वाहन को नहीं आने दिया जाएगा। बाहर से आने वाले वाहनों को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज की पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। पुलिस अधिकारी लगातार भ्रमण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लेते रहेंगे।

जन्म–मृत्यु का पंजीकरण कराने के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य

यूनिक समय, मथुरा। जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब जन्म अथवा मृत्यु की घटना के दो साल बाद पंजीकरण कराने के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य होगा। इसके बिना रजिस्ट्रार विलंबित पंजीकरण नहीं कर सकेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से 27 अक्टूबर को इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला और सत्र न्यायाधीशों, पारिवारिक न्यायालयों के प्रधान न्यायाधीशों और अन्य संबंधित न्यायिक अधिकारियों को पत्र जारी किया गया है।

यह जानकारी देते हुए डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि अब हाईकोर्ट के निर्देशानुसार, दो साल के बाद जन्म-मृत्यु का पंजीकरण कराने को न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य होगा, जबकि दो साल से कम अवधि में पंजीकरण शपथ पत्र देकर एसडीएम न्यायालय से कराया जा सकता है।

गोवर्धन–बरसाना जाने को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, रोडवेज ने दौड़ाईं अतिरिक्त बसें

50 अतिरिक्त बसों से संभाला मोर्चा

दिल्ली के लिए 25 और नोएडा के लिए सात बसें लगाईं

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन और बरसाना में गिरिराज महाराज के दर्शन की चाह श्रद्धालुओं को सुबह से ही घरों से बाहर खींच लाई। दिन चढ़ने के साथ ही इन धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

बस अड्डों पर यात्रियों का दबाव इस कदर बढ़ा कि रोडवेज की व्यवस्थाएं भी व्यस्त नजर आने लगीं। हालात देखकर ऐसा लग रहा था कि कहीं श्रद्धालुओं की संख्या के सामने बसों की उपलब्धता कम न पड़ जाए। गोवर्धन और बरसाना जाने के लिए बड़ी संख्या में लोग बसों का इंतजार करते दिखाई दिए। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू कराया।

गोवर्धन और बरसाना मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के साथ ही रोडवेज ने 50 अतिरिक्त बसें संचालित कीं।

इसके बावजूद गिरिराज महाराज के दर्शन के लिए लोगों की आस्था में कोई कमी नजर नहीं आई।

सुबह से लेकर दिन चढ़ने तक बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ती रही। श्रद्धालुओं के अलावा अन्य यात्रियों को भी अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बसों का इंतजार करना पड़ा। दूसरी ओर दिल्ली और नोएडा जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भी अतिरिक्त इंतजाम किए गए।

दिल्ली मार्ग पर 25 तथा नोएडा के लिए सात अतिरिक्त बसें चलाई गईं। लखनऊ जाने वाले यात्रियों के लिए पांच बसों की व्यवस्था की गई। एआरएम विवेक कुमार अहिरवार ने बताया कि यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए बसों का संचालन कराया जा रहा है।

जिस मार्ग पर सवारियों का दबाव अधिक रहेगा, वहां जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसें लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थानीय मार्गों पर यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। यदि इन रूटों पर भी सवारियों की संख्या बढ़ती है तो वहां भी बसों को बढ़ा दिया जाएगा।

आस्था की भीड़ में निजी बस वालों की चांदी श्रद्धालुओं की जेब पर डाका

यूनिक समय, मथुरा। गिरिराज महाराज के दर्शन की ललक लेकर गोवर्धन और बरसाना जाने के लिए निकले श्रद्धालुओं की भीड़ ने निजी बस संचालकों को कमाई का मौका दे दिया। रोडवेज बसों में जगह पाने के लिए मारामारी के बीच निजी वाहन संचालकों की चांदी कटती नजर आई। आरोप है कि यात्रियों की मजबूरी को देखकर चालकों ने निर्धारित किराये से अधिक रकम वसूली। दर्शन की जल्दी और बसों की कमी के चलते श्रद्धालु मनमाना किराया देने को मजबूर दिखाई दिए।

धार्मिक आस्था के इस सैलाब में जहां रोडवेज अतिरिक्त बसें दौड़ाकर यात्रियों को राहत देने में जुटा रहा, वहीं निजी वाहनों की बल्ले–बल्ले हुई। परिवार सहित दर्शन करने निकले श्रद्धालुओं की जेब पर अतिरिक्त किराये का बोझ पड़ा।

मौसम बदलते ही वायरल का हमला, जिला अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे 550 मरीज



जिला अस्पताल में मरीजों का परीक्षण करते फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव और ठंड की दस्तक के साथ ही मौसमी बीमारियों ने लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। खांसी, जुकाम, गले में खराश, सिरदर्द और एलर्जी की शिकायत लेकर मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। दीपावली के त्योहार के चलते जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या घट गई थी, लेकिन अब फिर से मरीजों की भीड़ बढ़ने लगी है। मंगलवार को गोवर्धन पूजा के दिन जिला अस्पताल की ओपीडी में करीब 550 मरीज उपचार कराने पहुंचे। सामान्य दिनों में जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन एक हजार से 1250 तक मरीज आते हैं। दीपावली के आसपास त्योहार के कारण यह संख्या घटकर करीब 550 रह गई थी। मंगलवार को फिजिशियन की ओपीडी में करीब 80 मरीज खांसी, जुकाम और गले में खराश की शिकायत लेकर पहुंचे। मौसम में बदलाव के कारण करीब 80 मरीज एलर्जी की शिकायत लेकर पहुंचे। इसके अलावा त्योहार पर खानपान में बदलाव के चलते पेट संबंधी समस्याओं के मरीजों की भी संख्या रही। कुत्ते के काटने और आंखों की पेरेशानी से पीड़ित लोगों ने भी चिकित्सकीय परामर्श लिया। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि मौसम में उतार-चढ़ाव और ठंड बढ़ने से वायरल संक्रमण की शिकायतें सामने आ रही हैं। खानपान और दिनचर्या में लापरवाही भी बीमारियों का कारण बन सकती है। पर्याप्त पानी पीने के साथ सुबह-शाम गर्म कपड़ों से शरीर को ढककर रखने को कहा। उन्होंने बताया कि खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को ढकें, ताकि संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे। बुखार, लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी या गले में तेज दर्द होने पर खुद दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लें।

गिरिराज भक्ति ने ब्रज को भक्तिरस में डुबोया



महाविद्या स्थित गिर्राजजी मंदिर के परिसर में सजाए गए गिरिराजजी और श्रीनाथ जी।



गोवर्धन में टोकरियों में प्रसाद लेकर जाते विदेशी भक्त।



मंगलवार को गोबर से बनाए गए गोवर्धन महाराज, जिनकी शाम को पूजा की गई।



श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गिरिराज महाराज को सजाए गए छप्पनभोग।

विदेशी भक्तों ने भी चढ़ाया अन्नकूट

सिर पर प्रसाद की टोकरी लेकर पहुंचे श्रद्धालु, गिरिराज महाराज के जयकारों से गूंजा धाम

51 फुट लंबे गिरिराजजी और 22 फुट ऊंचे श्रीनाथजी के हुए दर्शन

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर सजा छप्पनभोग, गिरिराज महाराज के जयकारों से गूंजा परिसर

पुष्प बंगले में विराजे राधाकृष्ण, पंचगव्य से हुआ गिरिराजजी का अभिषेक

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन पूजा पर मंगलवार को गिरिराज धाम में आस्था और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिला। सुबह से ही देश के विभिन्न प्रांतों के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचे। गिरिराज महाराज के प्रति विदेशी भक्तों की आस्था भी देखते ही बनी। विदेशी श्रद्धालु सिर पर प्रसाद की टोकरियां लेकर मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से गिरिराज महाराज को भोग अर्पित किया।

गोवर्धन पूजा पर पूरे गिरिराज धाम में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों में पूजा-अर्चना और अन्नकूट भोग के आयोजनों के बीच श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। गिरिराज महाराज के जयकारों से समूचा धाम गुंजायमान होता रहा।

गोवर्धन पूजा के चलते गिरिराज पर्वत की सप्तकोसीय परिक्रमा करने वालों की भी भारी भीड़ रही। देश-विदेश से आए श्रद्धालु परिक्रमा मार्ग पर भक्ति भाव के साथ आगे बढ़ते नजर आए। जगह-जगह श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक आयोजनों से गिरिराज धाम में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। विदेशी भक्तों की भागीदारी ने ब्रज की धार्मिक संस्कृति और गिरिराज महाराज के प्रति वैश्विक आस्था की झलक प्रस्तुत की।

महाविद्या चौराहा स्थित श्री गिर्राजजी मंदिर में मंगलवार को सामूहिक श्री गिर्राज पूजा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। महोत्सव के 28वें वर्ष में तुलसी वन, गाय के गोबर से निर्मित 51 फुट लंबी गिरिराजजी की विशाल आकृति और 22 फुट ऊं चे श्रीनाथजी का भव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। विशाल धार्मिक स्वरूपों के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी।

महोत्सव का शुभारंभ सुबह आठ बजे गिरिराजजी के अभिषेक के साथ हुआ। शाम चार बजे फूल बंगला सजाया गया और छप्पनभोग अर्पित किया गया। शाम सात बजे ब्रज के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ब्रज की लोकसंस्कृति और धार्मिक परंपराओं की छटा बिखेरी। तुलसी वन की सजावट ने महोत्सव की भव्यता में विशेष आकर्षण जोड़ा।

इस अवसर पर द्वाराचार्य राजेंद्र दास, मलूकपीठाधीश्वर सुतीक्षण दास, महामंडलेश्वर राधा प्रसाद जू, महामंडलेश्वर नवलगिरी, रसिया बाबा और भागवत विदुषी कीर्तिकिशोरी जी का सानिध्य रहा।

महोत्सव के संस्थापक राजकुमार खंडेलवाल (सुपारी वाले) और प्रमोद गर्ग कसेरे हैं। संरक्षक रामकिशन (बसेरा ग्रुप), डॉ. अशोक अग्रवाल, अमित (सीए) और गजानंद अग्रवाल रहे। अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल के साथ प्रांत अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद सुनील अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, गोवर्धन दास अग्रवाल, प्रभात अग्रवाल, कृष्ण कुमार खंडेलवाल और गिर्राज किशोर एडवोकेट सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, सुरेंद्र सक्सेना और अमित वार्ष्णेय, महामंत्री अभिषेक अग्रवाल, मंत्री मनोज सक्सेना और प्रियेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भारत वर्मा, प्रचार मंत्री धनीराम खंडेलवाल तथा सह-कोषाध्यक्ष शैलेश खंडेलवाल ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यकारिणी सदस्यों में ब्रजेश शर्मा, कौशल सिंघल, अंकित मित्तल, प्रवीण कुशवाह, अंकित जैन, करन गर्ग और प्रदीप यादव शामिल रहे।

इसके अलावा रवि अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, गंगे चौधरी, गजेंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सुनील खंडेलवाल, अभिषेक खंडेलवाल, सह-प्रचार मंत्री जितेंद्र अग्रवाल (बॉबी) तथा विशेष सहयोगी आशीष सिंघल, योगेश सर्राफ, दिनेश खंडेलवाल, सुनीत, दर्श शाह, दीपक अग्रवाल एडवोकेट, सीताराम कुशवाह, नितिन बंसल और भारत भूषण सिंघल मौजूद रहे।

मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पवित्र प्रांगण में परंपरागत अन्नकूट और छप्पनभोग महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीगिरिराज महाराज को दिव्य छप्पनभोग अर्पित किया गया। भव्य सजावट, पुष्प बंगले और आकर्षक श्रृंगार के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

ठाकुरजी के बंगले को फूलों, पत्तियों और आकर्षक गुलदस्तों से सजाया गया। भागवत भवन स्थित श्रीराधाकृष्ण मंदिर और श्रीकेशवदेव मंदिर प्रांगण में विराजमान श्रीगिरिराजजी के श्रीविग्रह को छप्पनभोग अर्पित किया गया। भव्य पुष्प बंगले के मध्य श्रीराधाकृष्ण और गिरिराज महाराज का दिव्य श्रृंगार और मनोहारी पोशाक श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। छप्पनभोग की झांकी ने भक्तों को द्वापरकालीन अन्नकूट परंपरा का स्मरण करा दिया।

मंगलवार सुबह मंदिर के पूजाचार्यों ने पंचगव्य से श्रीगिरिराजजी का अभिषेक किया। इसके बाद श्रीकृष्ण संकीर्तन मंडल के रसिक भक्तों ने भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संकीर्तन मंडल के भक्तों ने श्रद्धालुओं को बड़े स्तर पर अन्नकूट प्रसाद वितरित किया।

ठाकुरजी के दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए प्रवेश द्वारों तथा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

अन्नकूट प्रसाद पाकर भक्तों ने स्वयं को धन्य माना और गिरिराज महाराज के जयकारे लगाए। पूरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर भक्तिरस में सराबोर रहा। महोत्सव को सफल बनाने में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान के पदाधिकारी और कर्मचारी जुटे रहे।

होसबोले ने केशव धाम में की गिरिराज पूजा, मेधावी सम्मानित



मंगलवार को गोबर से निर्मित गोवर्धन महाराज की पूजा करते जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, पीछे मौजूद हैं सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले।

समाज में एकता समरसता और सकारात्मक शक्ति पर दिया जोर

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने मंगलवार को वृंदावन स्थित केशव धाम में आयोजित अन्नकूट प्रसादम कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोबर से निर्मित गिरिराज महाराज की प्रतिमा का पूजन कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने समाज में एकता, समरसता और सकारात्मक सोच का संदेश दिया।

केशव धाम के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए होसबोले ने कहा कि समाज को तोड़ने और आपसी नफरत फैलाने वाली ताकतों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। समाज को विखंडन से बचाने के लिए सकारात्मक और संगठित शक्ति का खड़ा होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के माध्यम से जीवन में सार्थक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए देशवासियों को अपने आचरण और व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। विश्वगुरु की उपाधि कोई वैश्विक संगठन नहीं देगा, बल्कि मानवता के प्रति भारत का अनुकरणीय व्यवहार ही उसे यह सम्मान दिलाएगा। कार्यक्रम में केशव धाम में अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद परिसर में गोबर से निर्मित गिरिराज महाराज की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया गया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश सहित संघ के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

श्रद्धा के साथ हुई गोवर्धन पूजा

यूनिक समय, वृंदावन। गोवर्धन पूजा का पर्व नौ नवंबर को भी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने अपने घरों में गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। लोगों ने गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजन किया। इसके बाद भगवान को अन्नकूट का भोग लगाया गया। परिवार के सदस्यों ने एक साथ पूजा में भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठाया था। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा चली आ रही है। हर वर्ष दीपावली के अगले दिन यह पर्व मनाया जाता है, लेकिन इस बार सोमवार के बाद मंगलवार को भी लोगों ने परंपरा के अनुसार गोवर्धन पूजा की। घरों में पूजा-अर्चना के साथ भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

ईंट-भट्ठों पर मजदूरों के बच्चों का भविष्य अंधकार में

यूनिक समय, सुरीर। ईंट-भट्ठों पर मजदूरी करने वाले प्रवासी परिवारों के बच्चों की शिक्षा का मुद्दा उठाते हुए सुरीर निवासी दीपक आंबेडकर ने सरकार से विशेष व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि रोजगार की तलाश में एक राज्य से दूसरे राज्य में पलायन करने वाले मजदूर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। किताब और कलम थामने की उम्र में ये बच्चे शिक्षा से दूर होकर मजदूरी और अभाव के माहौल में जीवन बिताने को मजबूर हैं।


ईंट-भट्ठों पर पथाई करने वाले मजदूरों के बच्चों के साथ दीपक आंबेडकर।

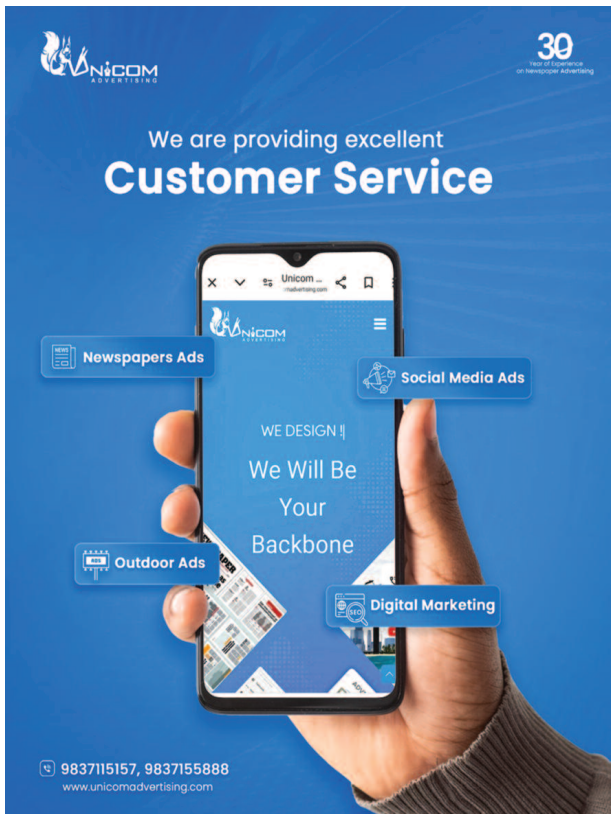
दीपक आंबेडकर ने कहा कि भारत को युवाओं और बच्चों का देश कहा जाता है, लेकिन गरीबी और परिवार की आर्थिक मजबूरियों के चलते आज भी बड़ी संख्या में बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। ईंट-भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर माता-पिता अपने छोटे बच्चों को भी साथ लेकर दूसरे राज्यों में चले जाते हैं। बार-बार स्थान बदलने के कारण बच्चों की पढ़ाई नियमित नहीं रह पाती। ऐसे में उनके भविष्य पर संकट खड़ा हो जाता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 21-ए के तहत छह से 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर परिवारों के अनेक बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से बाहर हैं।

प्रवासी परिवारों के बच्चों की पढ़ाई छूटने पर उठाई आवाज, अस्थायी विद्यालय खोलने की मांग

उन्होंने सरकार से मांग की कि ईंट-भट्ठों और निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों के बच्चों के लिए अस्थायी विद्यालय खोले जाएं।

बच्चों का सरकारी स्कूलों में प्रवेश सुनिश्चित करने के साथ जरूरत के अनुसार छात्रावास, आवासीय विद्यालय और परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मजदूर परिवारों का सर्वे कर बच्चों का शैक्षिक रिकॉर्ड तैयार किया जाए, ताकि माता-पिता के पलायन करने पर भी उनकी पढ़ाई बाधित न हो।



घर-घर सजे गोवर्धन भजनों से गूंजा कोसीकलां

यूनिक समय, कोसीकलां। गोवर्धन पूजा पर मंगलवार को कोसीकलां में भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। सुबह घरों के आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृतियां सजाई गईं तो मंदिरों में अन्नकूट के भोग की खुशबू बिखरी। शाम को आतिशबाजी ने नगर को रोशनी से जगमगा दिया।



महिलाओं ने सुबह स्नान के बाद घरों के आंगन को गोबर और गंगाजल से पवित्र कर गोवर्धन महाराज की आकर्षक आकृतियां बनाईं। कहीं गाय-बछड़ों तो कहीं भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप उकेरे गए। इसके बाद रोली, अक्षत, फूल, तुलसी और मोरपंख से उनका श्रृंगार किया गया। महिलाओं ने 'तेरे माथे मुकुट विराज रहो' और 'गोवर्धन महाराज, महाराज' जैसे पारंपरिक भजन गाते हुए पंचामृत से अभिषेक किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

नगर के बांके बिहारी मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर और राधा-कृष्ण मंदिर समेत प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मंदिरों में 56 प्रकार के व्यंजनों से अन्नकूट तैयार कर गिरिराज महाराज को भोग लगाया गया। इस दौरान गोवर्धन पूजा की कथा सुनाते हुए मुन्ना पंडित ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाया था। तभी से यह परंपरा चली आ रही है। यह पर्व प्रकृति और गोवंश संरक्षण का संदेश भी देता है।

दो किमी नाले की निजी खर्च से कराई सफाई, ग्रामीणों को मिली राहत


नाले की सफाई करती जेसीबी मशीन।

यूनिक समय, शेरगढ़। वर्षों से सफाई के अभाव में गंदगी से अटे पड़े नाले की आखिरकार सफाई करा दी गई। समाजसेवी-पूर्व प्रधान फकरुद्दीन और शाहरुख रत्ती खां ने ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए अपनी निजी राशि खर्च कर करीब दो किलोमीटर लंबे नाले की सफाई कराई। इससे शेरगढ़-नौहझील मार्ग पर जलभराव की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों और राहगीरों को बड़ी राहत मिली है।

जानकारी के अनुसार, कस्बे का गंदा पानी आदमपुर से होकर शेरगढ़ के यमुना पुल तक जाने वाले नाले से गुजरता है। लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण नाला गंदगी और कचरे से पूरी तरह अटा पड़ा था। नाले की निकासी बाधित होने से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर शेरगढ़-नौहझील मुख्य मार्ग पर भर जाता था। इससे राहगीरों, ग्रामीणों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। लंबे समय से बनी इस समस्या का समाधान नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी भी थी।

फकरुद्दीन पूर्व प्रधान की पहल से दूर हुआ जलभराव का संकट

ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए फकरुद्दीन पूर्व प्रधान और पत्रकार शाहरुख रत्ती खां ने खुद पहल की और निजी खर्च से नाले की सफाई का कार्य कराया। सफाई होने से पानी की निकासी सुचारु हुई और सड़क पर जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिली।

दोनों ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को जनहित से जुड़ी कोई समस्या हो तो उन्हें अवगत कराएं। उसके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। दानिश, पीले सहित अन्य स्थानीय लोगों ने नाले की सफाई कराने की पहल की सराहना की।

बाजारों में पुलिस अलर्ट सुरक्षा व्यवस्था परखी


सोमवार रात को बाजार में गश्त करती महिला पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, बलदेव। पर्व को लेकर बाजारों में बढ़ती चहल-पहल और भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। उपनिरीक्षक रितु के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। बाजार में आने-जाने वाले लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम ने व्यापारियों से संवाद कर त्योहार के दौरान सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने की अपील की।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाई, व्यापारियों से किया संवाद

पुलिस उपनिरीक्षक रितु ने लोगों से कहा कि बाजार में कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

उन्होंने बताया कि दीपावली के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की निगरानी लगातार जारी रहेगी। पुलिस का उद्देश्य त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराना है।

नशा नहीं, संस्कार चाहिए, संस्कार घर चला रहा है नशे के खिलाफ जंग

यूनिक समय, कोसीकलां। नशे की लत से मुक्ति के लिए न तो डंडे की जरूरत है और न ही प्रताड़ना की, जरूरत है तो सिर्फ इच्छाशक्ति, सही मार्गदर्शन और एक परिवार जैसे माहौल की। इसी सोच के साथ नेशनल हाईवे पर परमानंद गार्डन कुल्लामल पेट्रोल पंप के सामने स्थित 'संस्कार घर' समाज में एक नई अलख जगा रहा है।

संस्कार घर के प्रबंधक सुरेंद्र बैसला बताते हैं कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और उसके भविष्य को बर्बाद कर देता है। नशे की वजह से हंसते-खेलते घर उजड़ जाते हैं, इसलिए इसे जड़ से खत्म करना जरूरी है। सुरेंद्र बैसला के नेतृत्व में संस्कार घर की टीम लगातार जगह-जगह जाकर नशा मुक्ति अभियान चला रही है।

स्कूल, कॉलेज, गांव, कस्बों और हाईवे किनारे बसे ढाबों तक जाकर युवाओं को जागरूक किया जा रहा है कि नशा शान नहीं, सबसे बड़ा अभिशाप है। एक बार नशे की लत लग गई तो जीवन दलदल में फंस जाता है। उन्होंने बताया कि उनके केंद्र में नशे से ग्रसित लोगों को बिल्कुल घर जैसा माहौल दिया जाता है। बिना किसी मारपीट और प्रताड़ना के, सहानुभूति, उचित चिकित्सा, काउंसलिंग, योग, ध्यान और अच्छे संस्कारों के जरिए उन्हें इस दलदल से बाहर निकाला जाता है। उन्होंने बताया कि संस्कार घर में नशा मुक्ति केंद्र एवं पुनर्वास केंद्र में अब तक सैकड़ों लोग सही होकर जा चुके हैं, जो आज अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो।

दीपोत्सव पर भी गंदगी से अटा फरह, सर्विस रोड पर कीचड़

यूनिक समय, फरह। एक ओर दीपोत्सव पर कस्बे को रोशन और स्वच्छ बनाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं फरह में गंदगी ने नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी है। हाईवे के सर्विस रोड पर कीचड़ और गंदे पानी का कब्जा है। दोनों ओर बने नाले कचरे से पटे पड़े हैं और पाइप चोक होने से जलनिकासी पूरी तरह बाधित है। हालात ऐसे हैं कि राहगीरों को सड़क पर जमा गंदे पानी और कीचड़ के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। त्योहार पर भी जिम्मेदारों की नजर इस बदहाली पर नहीं पड़ी है। निकाय चुनाव के दौरान कस्बे की तस्वीर बदलने और विकास की गंगा बहाने के दावे करने वाले जनप्रतिनिधि अब जनता की इस परेशानी से दूरी बनाए हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कमीशन से जेब भरने के लिए विकास के नाम पर नाली-खड़ंजे बनवाने को ही प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। नतीजा यह है कि मामूली बारिश और नालों के अवरुद्ध होने से सर्विस रोड तालाब में तब्दील हो जाता है। कस्बे में गंदे पानी की निकासी के लिए पर्याप्त नाले नहीं हैं। नगर पंचायत हाईवे के नालों के सहारे जलनिकासी का काम चला रही है, लेकिन इनकी नियमित सफाई नहीं होने से व्यवस्था खुद ही जाम हो गई है। नालों में कचरा और पाइपों में गंदगी भरने से पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा। सड़क पर जमा गंदे पानी से पैदल चलने वालों के साथ वाहन चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। हैरानी की बात यह है कि समस्या के समाधान के बजाय जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे की जिम्मेदारी गिनाने में जुटे हैं।



कस्बा में नालों के चोक होने से सर्विस रोड पर हुआ जलभराव।

हाईवे के नाले चोक सड़क पर बह रहा घरों का गंदा पानी

नगर पंचायत और हाईवे के अधिकारी एक-दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

हाईवे के अधिकारियों का कहना है कि फरह में सफाई की जिम्मेदारी नगर पंचायत की है, जबकि नगर पंचायत के अधिकारी अपनी मजबूरियां बता रहे हैं। विभागों के बीच जिम्मेदारी का यह खेल कस्बावासियों पर भारी पड़ रहा है। सवाल यह है कि जब सर्विस रोड पर गंदगी और जलभराव से लोग परेशान हैं तो आखिर सफाई और जलनिकासी की जिम्मेदारी उठाएगा कौन।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती देवकी पत्नी श्री हिर्देश राजपूत नि० मल्लपुरा, मथुरा, अपनी संपत्ति क्षेत्रफल 71.84 वर्ग मीटर, वाटर रेट संख्या 198/189 एवं वर्तमान संख्या 000225, स्थित मौजा/मोहल्ला मल्लपुरा, मथुरा को सितारा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में बंधक करने का प्रस्ताव रखती हैं। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, हो, तो वह इस प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए मो० नं पर संपर्क कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। अवधि समाप्त होने के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा, तथा संपत्ति को बैंक के पक्ष में बंधक किए जाने की कार्यवाही आगे बढ़ाई जाएगी।

द्वारा अधिवक्ता रविन्द्र चौधरी
मो:+917417296353

सुविचार

शब्दों की ताकत से समाज को नई दिशा और पहचान मिलती है।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	02:00-03:53 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	अनुराधा	09:19-11:38 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:36 AM	चन्द्रोदय	08:31 AM	
सूर्यास्त		5:30 PM	चंद्रास्त	06:40 PM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि	
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:52-05:43	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		12:03 PM: 01:25 PM	वार	बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

भाई की लंबी उम्र के लिए बहनें इस मुहूर्त में करें तिलक



11 नवंबर को मनाया जाएगा भाई–बहन के प्रेम का पर्व

दोपहर 1:10 से 3:20 बजे तक रहेगा तिलक लगाने का शुभ समय

यूनिक समय, मथुरा। भाई–बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक भाई दूज का पर्व इस वर्ष 11 नवंबर 2026, बुधवार को मनाया जाएगा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाए जाने वाले इस त्योहार पर बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख–समृद्धि की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को प्रेम और सहयोग का वचन देते हैं। इसे भाऊबीज और भात्र द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस पर्व का संबंध यमराज और उनकी बहन यमुना से है। कहा जाता है कि इसी दिन यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने पहुंचे थे। तभी से भाई दूज मनाने की परंपरा शुरू हुई।

पंचांग के अनुसार, द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे से शुरू होकर 11 नवंबर को दोपहर 3:53 बजे तक रहेगी। भाई को तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त 11 नवंबर को दोपहर 1:10 बजे से 3:20 बजे तक निर्धारित है। बहनें इसी अवधि में तिलक की रस्म पूरी कर सकती हैं।

भाई दूज पर सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और घर के मंदिर में पूजा करें। थाली में हल्दी, कुमकुम, अक्षत, दीपक, मिठाई, कलावा और गोला रखें। शुभ मुहूर्त में भाई को चौकी पर बैठाकर सिर ढंकने के लिए कपड़ा दें।

इसके बाद हल्दी–कुमकुम और अक्षत से तिलक लगाएं, कलावा बांधें और आरती उतारें। मिठाई खिलाकर भाई की मंगलकामना करें। भाई भी बहन को उपहार देकर उसके सुख–दुख में साथ निभाने का संकल्प दोहराएं।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

मंगल का राशि परिवर्तन, तीन राशियों के लिए बढ़ सकती हैं मुश्किलें

12 नवंबर को कर्क से सिंह राशि में प्रवेश करेंगे मंगल

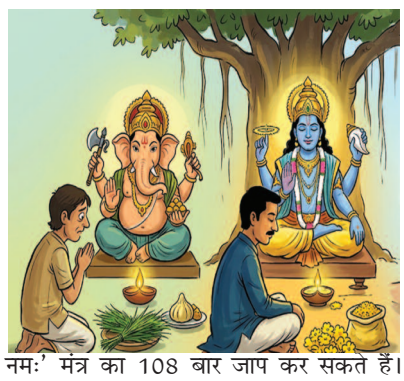
कन्या–मकर राशि वालों की बढ़ सकती है परेशानी

मीन राशि को कार्यक्षेत्र में रहना होगा सतर्क

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को साहस, ऊर्जा, पराक्रम और भूमि का कारक माना जाता है। 12 नवंबर 2026 को मंगल ग्रह कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल के इस राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग–अलग देखने को मिल सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार तीन राशियों के जातकों के लिए यह गोचर कुछ चुनौतियां लेकर आ सकता है। इन लोगों को आर्थिक मामलों, कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

कन्या राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर द्वादश भाव में होगा। इस दौरान अनावश्यक खर्च बढ़ने और आर्थिक बजट बिगड़ने की आशंका है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति भी लापरवाही न बरतें। उपाय के तौर पर मंगल मंत्र का जाप करना शुभ माना गया है। मकर राशि वालों के लिए मंगल अष्टम भाव में गोचर करेंगे। इससे कामकाज का दबाव और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। पारिवारिक विवादों से बचने के लिए वाणी पर संयम रखना होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतने और निवेश से पहले विशेषज्ञों की सलाह लेने की जरूरत है। हनुमान चालीसा का पाठ करना लाभकारी बताया गया है। मीन राशि के जातकों के छठे भाव में मंगल का गोचर होगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। काम समय पर पूरा करें। मानसिक तनाव और बेचैनी से बचने के लिए दिनचर्या संतुलित रखें। कानूनी मामलों में भी सोच–समझकर कदम उठाने की सलाह दी गई है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने पर ध्यान देना होगा। उपाय के रूप में भगवान शिव की पूजा करना शुभ माना गया है।

उधार की रकम अटकी है तो अपनाएं ये ज्योतिषीय उपाय



गुरुवार को करें भगवान विष्णु की आराधना

यूनिक समय, मथुरा। किसी जरूरतमंद की मदद के लिए उधार दिया गया पैसा जब समय पर वापस नहीं मिलता तो परेशानी बढ़ जाती है। कई बार सामने वाला बार–बार समय मांगता है या फोन उठाना बंद कर देता है। ज्योतिष शास्त्र में धन और लेन–देन से जुड़े मामलों को बुध, गुरु और मंगल ग्रह से जोड़कर देखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इनसे संबंधित पूजा–पाठ करने से सकारात्मकता और धैर्य बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, बुधवार भगवान गणेश की आराधना के लिए शुभ है। इस दिन स्नान के बाद गणेश जी के सामने दीपक जलाएं और दूर्वा व मोदक अर्पित करें। इसके बाद 'ॐ गं गणपतये नमः' मंत्र का 108 बार जाप कर सकते हैं। मान्यता है कि गणेश पूजा से जीवन की बाधाएं दूर करने की प्रार्थना की जाती है। गुरुवार को भगवान विष्णु के सामने घी का दीपक जलाकर 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है। पीली वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा है। हालांकि, पूजा–पाठ से उधार की रकम लौटने की गारंटी नहीं है। पैसे वापस पाने के लिए लेन–देन का लिखित रिकॉर्ड रखें, सामने वाले से स्पष्ट बातचीत करें और भुगतान की तारीख तय करें। बड़ी रकम के मामले में बैंक ट्रांजैक्शन के प्रमाण सुरक्षित रखें तथा जरूरत पड़ने पर कानूनी सलाह लें।

ऑफिस में मेहनत का श्रेय पाने के लिए अपनाएं ये उपाय



बुध मजबूत करने के लिए करें ये काम

यूनिक समय, मथुरा। कई बार कर्मचारी पूरी मेहनत और लगन से प्रोजेक्ट पूरा करता है, लेकिन मीटिंग में उसका श्रेय कोई दूसरा ले जाता है। इससे न केवल मनोबल प्रभावित होता है, बल्कि आगे बढ़ने के अवसर भी हाथ से निकल सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में कार्यक्षेत्र में मान–सम्मान और पहचान को सूर्य, शनि तथा बुध ग्रह से जोड़कर देखा जाता है। सूर्य को प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास, शनि को कर्म और अनुशासन तथा बुध को संवाद और बुद्धि का कारक माना गया है। इन ग्रहों से जुड़े कुछ पारंपरिक उपाय अपनाने की मान्यता है।

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, कार्यक्षेत्र में सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए रोज सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे से उगते सूर्य को जल अर्पित करें। इस दौरान 'ॐ घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का 11 बार जाप कर सकते हैं। रविवार को जरूरतमंदों को गेहूं या गुड़ का दान करना भी शुभ माना जाता है।

वहीं, शनि को मेहनत और कर्मफल का कारक माना गया है। शनिवार को जरूरतमंदों को काले तिल, काली उड़द या भोजन का दान करने की परंपरा है। साथ ही अपने काम के प्रति ईमानदारी और अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

बुध ग्रह को वाणी, बुद्धि और संवाद क्षमता से जोड़ा जाता है। बुधवार को भगवान गणेश की पूजा, हरी मूंग का दान और 'ॐ बुं बुधाय नमः' मंत्र का जाप पारंपरिक उपायों में शामिल है।

हालांकि, केवल ज्योतिषीय उपायों से कार्यस्थल पर पहचान मिलने की गारंटी नहीं है। अपने काम का लिखित रिकॉर्ड रखें, ईमेल के माध्यम से प्रोजेक्ट की प्रगति साझा करें और मीटिंग में अपने योगदान को स्पष्ट रूप से बताएं। जरूरत पड़ने पर वरिष्ठ अधिकारियों से विनम्रता के साथ बात करें। मेहनत के साथ सही संवाद और पारदर्शिता भी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



सम्पादकीय

आंगन की कला जिसे दुनिया ने गैलरी बनने के बाद पहचाना



पवन गौतम
संपादक

घर की दहलीज को आर्ट गैलरी बनाने के लिए न किसी बड़े बजट की जरूरत पड़ी, न महंगे रंगों की और न ही किसी कला संस्थान की डिग्री की। भारतीय महिलाओं ने चावल, हल्दी, सिंदूर, फूलों और मिट्टी से सदियों पहले ही ऐसी खुली आर्ट गैलरी खड़ी कर दी, जहां न टिकट लगता था, न उद्घाटन होता था और न ही किसी वीआईपी को रिबन काटने बुलाया जाता था। बस फर्क इतना था कि इस गैलरी की कलाकार महिलाएं थीं और उनका कैनवास घर का आंगन।

विडंबना देखिए, आज जिस कला को आधुनिक दुनिया डिजाइन, क्रिएटिविटी और ज्योमेट्री के नाम पर बड़े-बड़े मंचों पर जगह देती है, वही कला भारतीय घरों में रोज बनती और रोज मिटती रही। रंगोली पर किसी ने पैर रख दिया तो कलाकार का मूड खराब, बारिश हो गई तो पूरी प्रदर्शनी खत्म और सुबह होते ही नई प्रदर्शनी तैयार।

न कोई बीमा, न सुरक्षा गार्ड और न ही चोरी होने का डर!

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

देश के अलग-अलग हिस्सों में इस कला ने अलग-अलग नाम और अंदाज अपनाए। तमिलनाडु का कोलम, बंगाल की अल्पना, राजस्थान का मांडणा, उत्तराखंड का ऐपण, ओडिशा की झोटी और केरल का पुक्कलम इसके खूबसूरत उदाहरण हैं। कहीं चावल के घोल से आकृतियां बनीं तो कहीं फूलों की पंखुड़ियों ने जमीन को रंगीन कालीन बना दिया।

हैरानी की बात यह है कि इन डिजाइनों में गणित, ज्यामिति, समरूपता और संतुलन का ऐसा मेल है, जिसे समझने के लिए कलाकारों को किसी इंजीनियरिंग कॉलेज की जरूरत नहीं पड़ी। डॉट्स और रेखाओं के जटिल खेल में महिलाओं ने अपनी पीढ़ियों का अनुभव उतार दिया।

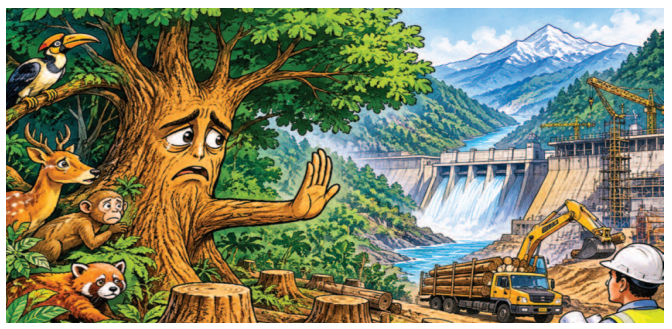
इस कला की सबसे बड़ी खूबी यह भी है कि यहां कलाकार को तालियों की गारंटी नहीं, न ही किसी पुरस्कार की उम्मीद। सुबह बनाई रंगोली शाम तक मिट सकती है, लेकिन अगले दिन फिर नया कैनवास सज जाता है।

फंडा यह है कि कला को महान बनाने के लिए उसका सदियों तक दीवार पर टंगे रहना जरूरी नहीं। भारतीय महिलाओं ने साबित किया कि आंगन भी गैलरी बन सकता है और बिना किसी पुरस्कार के भी कलाकार इतिहास रच सकती हैं।

नजरिया

विकास की कीमत पर प्रकृति का विनाश कितना उचित

अशोक भाटिया



विकास किसी भी देश की प्रगति का आधार होता है, लेकिन जब इसी विकास की राह में प्रकृति और पर्यावरण की बलि चढ़ने लगे, तो उसके औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सड़कें, बांध, बिजलीघर और औद्योगिक परियोजनाएं आधुनिक भारत की जरूरत हैं, लेकिन क्या इन जरूरतों को पूरा करने के लिए सदियों से विकसित प्राकृतिक जंगलों को उजाड़ना जरूरी है? अरुणाचल प्रदेश के केशी योमी और सियांग जिलों में सियोम नदी पर प्रस्तावित 1,000 मेगावाट की नायिंग जलविद्युत परियोजना इसी सवाल को हमारे सामने खड़ा करती है। परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति से प्राथमिक मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए करीब 470 हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग होगा और एक लाख से अधिक पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है। ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के लिहाज से यह परियोजना महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन पर्यावरणीय नुकसान की अनदेखी नहीं की जा सकती।

अरुणाचल प्रदेश पूर्वी हिमालय का ऐसा क्षेत्र है, जहां प्रकृति ने जैव-विविधता का अनमोल खजाना संजोया है। यहां के घने जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि एक संपूर्ण प्राकृतिक व्यवस्था हैं। इनमें अनेक प्रकार की वनस्पतियां, दुर्लभ जीव-जंतु, पक्षी और सूक्ष्म जीवों का संसार बसता है। पेड़ मिट्टी को मजबूती देते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं और वातावरण में कार्बन की मात्रा नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में एक लाख से अधिक पेड़ों की कटाई का अर्थ केवल हरियाली कम होना नहीं, बल्कि एक विशाल पारिस्थितिकी तंत्र का प्रभावित होना है।

नायिंग परियोजना के लिए बड़े बांध, सुरंगों, बिजलीघर और अन्य निर्माण कार्यों की जरूरत होगी। बांध के पीछे बनने वाले जलाशय के कारण बड़े भूभाग के डूब क्षेत्र में आने की आशंका है। जलाशय में पेड़ों और वनस्पतियों के डूबने से उनके सड़ने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जिससे मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। इससे जल की गुणवत्ता और जलीय पारिस्थितिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए निर्माण से पहले पेड़ों को हटाने का तर्क तकनीकी और पर्यावरणीय प्रबंधन से जुड़ा है। हालांकि, यह सवाल अपनी जगह कायम है कि परियोजना की रूपरेखा बनाते समय जंगलों को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के कितने विकल्प तलाशे गए हैं। प्राकृतिक जंगलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उनका निर्माण किसी एक मौसम या कुछ वर्षों में नहीं होता। एक पौधा लगाने और उसके वृक्ष बनने में दशकों लग सकते हैं, जबकि एक समृद्ध प्राकृतिक वन को अपने मूल स्वरूप में लौटने में कई पीढ़ियां गुजर सकती हैं। वहां पेड़ों के साथ मिट्टी की जैविक संरचना, कवक, वनस्पतियों की विभिन्न परतें और जीव-जंतुओं के आवास विकसित होते हैं। कृत्रिम पौधरोपण इन सभी प्राकृतिक विशेषताओं की तत्काल भरपाई नहीं कर सकता। प्रतिपूरक वनीकरण के तहत यदि काटे गए पेड़ों से दोगुनी संख्या में पौधे लगाए भी जाते हैं, तब भी यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे जीवित रहें और स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुकूल हों। इस मामले में भौगोलिक असमानता भी चिंता का विषय है। अरुणाचल प्रदेश का बड़ा हिस्सा पहले से ही घने जंगलों से आच्छादित है। ऐसे में राज्य के भीतर प्रतिपूरक वनीकरण के लिए उपयुक्त गैर-वन भूमि तलाशना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कई बार दूसरे राज्यों में पौधरोपण करके कानूनी औपचारिकता पूरी कर दी जाती है। लेकिन अरुणाचल के जंगलों के कटने से वहां की स्थानीय जलवायु, मिट्टी की नमी, वर्षा चक्र और वन्यजीवों के आवास पर जो प्रभाव पड़ेगा, उसकी भरपाई मध्य प्रदेश या किसी अन्य मैदानी राज्य में पेड़ लगाकर नहीं की जा सकती। पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का उद्देश्य केवल पौधों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रभावित क्षेत्र की प्राकृतिक व्यवस्था को बचाना और पुनर्जीवित करना होना चाहिए।

दूसरी ओर, इस परियोजना के रणनीतिक और आर्थिक महत्व को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। जलविद्युत ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और बिजली ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने में इसकी भूमिका अहम हो सकती है। परियोजना से अरुणाचल प्रदेश को उत्पादित बिजली का 12 प्रतिशत हिस्सा मुफ्त रॉयल्टी के रूप में मिलने का प्रावधान बताया गया है। इससे राज्य को राजस्व प्राप्त करने और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। निर्माण और संचालन के दौरान स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही सड़कों, पुलों, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित होने की संभावना भी है। इस परियोजना का सामरिक महत्व भी विशेष है। चीन की सीमा के निकट स्थित अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधनों और बुनियादी ढांचे का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी और ऊर्जा संबंधी आधारभूत ढांचा देश की रणनीतिक क्षमता को मजबूत कर सकता है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे के विरोधी विकल्प मानना उचित नहीं होगा। दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना ही दूरदर्शी नीति की पहचान है। वास्तविक चुनौती यह है कि विकास की योजनाएं बनाते समय पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन केवल कागजों तक सीमित न रहे। परियोजना के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता, वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रभावित गांवों के लोगों की चिंताओं, उनकी आजीविका और पारंपरिक जीवनशैली को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। वन्यजीवों के आवास, नदी के प्राकृतिक प्रवाह और भूस्खलन की आशंका जैसे पहलुओं पर स्वतंत्र विशेषज्ञों की निगरानी आवश्यक है। साथ ही प्रतिपूरक वनीकरण अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय भूगोल और जलवायु के अनुरूप होना चाहिए। अंततः नायिंग जलविद्युत परियोजना भारत की ऊर्जा और सामरिक जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है, लेकिन इसकी सफलता का मूल्यांकन केवल उत्पादित बिजली और आर्थिक लाभ से नहीं होना चाहिए। यह भी देखना होगा कि प्रकृति को कितनी कीमत चुकानी पड़ी और उस नुकसान को कम करने के लिए कितने गंभीर प्रयास किए गए। एक लाख पेड़ों की कटाई के बाद केवल नए पौधे लगा देना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि प्रभावित वन क्षेत्र को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्जीवित किया जाए और भविष्य की परियोजनाओं में पर्यावरणीय नुकसान को न्यूनतम रखने की नीति अपनाई जाए। विकास का वास्तविक अर्थ प्रकृति को पराजित करना नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना है। आखिरकार, बिजली से घर रोशन हो सकते हैं, लेकिन जीवन को सुरक्षित रखने के लिए जंगलों की हरियाली भी उतनी ही जरूरी है।

विचार विंडो

भैया दूज: प्रेम, विश्वास और संस्कारों का पर्व

राम प्रकाश शर्मा



भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान या उत्सव मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जीवन को बेहतर बनाने वाले संस्कारों और सामाजिक मूल्यों के संवाहक भी हैं। दीपावली के पंचपर्वों में शामिल भैया दूज ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक समृद्धि धन-दौलत और भौतिक सुख-सुविधाओं में नहीं, बल्कि रिश्तों की गर्माहट और अपनों के साथ में छिपी होती है। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाने वाला यह त्योहार भारतीय पारिवारिक परंपरा की सुंदर अभिव्यक्ति है।

भैया दूज पर बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करती है। भाई भी बहन के प्रति प्रेम, सहयोग और सम्मान का संकल्प दोहराता है। इस परंपरा का महत्व केवल तिलक लगाने और उपहार देने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक व्यापक सामाजिक संदेश छिपा है। यह पर्व सिखाता है कि रिश्ते अधिकार जताने से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारियां निभाने से मजबूत होते हैं। भाई का दायित्व केवल बहन की रक्षा करना नहीं, बल्कि उसके आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और सपनों का सम्मान करना भी है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भैया दूज का संबंध यमराज और उनकी बहन यमुना से जुड़ा है। कहा जाता है कि यमुना ने अपने भाई यमराज को अपने घर आमंत्रित कर उनका आतिथ्य किया था। बहन के स्नेह से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान दिया। इसी प्रसंग के कारण यह दिन यम द्वितीया के नाम से भी प्रसिद्ध हुआ। इस कथा का मूल भाव भाई-बहन के बीच प्रेम, अपनत्व और आत्मीयता को प्रतिष्ठित करना है। भारतीय परंपरा ने इस रिश्ते को इतना सम्मान दिया कि उसके लिए विशेष पर्व की व्यवस्था की।

बदलते सामाजिक परिवेश में भैया दूज की प्रासंगिकता पहले से अधिक बढ़ गई है। आज परिवार छोटे होते जा रहे हैं। रोजगार और शिक्षा के कारण भाई-बहन अलग-अलग शहरों और देशों में रहने लगे हैं। व्यस्त जीवनशैली ने मिलने-जुलने के अवसर सीमित कर दिए हैं। डिजिटल माध्यमों ने संवाद को आसान जरूर बनाया है, लेकिन कई बार रिश्तों की आत्मीयता संदेशों और इमोजी तक सिमट जाती है। ऐसे समय में भैया दूज हमें याद दिलाता है कि रिश्तों को केवल औपचारिक शुभकामनाओं से नहीं, बल्कि समय, संवेदना और सहयोग से जीवंत रखा जा सकता है। दुर्भाग्य से आज त्योहारों पर बाजारवाद और दिखावे का प्रभाव भी बढ़ रहा है। महंगे उपहार, भव्य आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा कई बार पर्व के वास्तविक उद्देश्य को पीछे छोड़ देते हैं। जबकि भैया दूज की सुंदरता किसी महंगे उपहार में नहीं, बल्कि उस भावना में है जिसके साथ बहन भाई के माथे पर तिलक लगाती है। भाई का स्नेह किसी उपहार की कीमत से नहीं, बल्कि इस बात से मापा जाना चाहिए कि वह बहन की परेशानी में कितना साथ खड़ा रहता है। रिश्तों की मिठास बाजार से नहीं, मन की सच्चाई से आती है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज तो कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार और उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों में इसकी विशिष्ट लोकपरंपराएं हैं। पूजा की विधि और रीति-रिवाज भले अलग हों, लेकिन सभी जगह इसके केंद्र में भाई-बहन का स्नेह ही है। यही भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि विविधताओं के बीच भी भावनात्मक एकता का सूत्र कायम रहता है। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण संदेश नारी सम्मान से भी जुड़ा है। बहन के प्रति सम्मान और सुरक्षा का संकल्प तभी सार्थक होगा, जब समाज की प्रत्येक बेटी और महिला को समान आदर और सुरक्षित वातावरण मिले। घर में बहन को सम्मान देना और बाहर किसी दूसरी महिला के अधिकारों की अनदेखी करना हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत है। भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, ज्ञान और सृजन का प्रतीक माना गया है। गार्गी, मैत्रेयी, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होल्कर और सावित्रीबाई फुले जैसी महान महिलाओं ने समाज को अपनी प्रतिभा और कर्मठता से नई दिशा दी। इसलिए भैया दूज का संदेश नारी को कमजोर मानकर संरक्षण देने के बजाय उसकी क्षमता, स्वतंत्रता और स्वाभिमान का सम्मान करने में निहित होना चाहिए।

भैया दूज का भाव केवल पारिवारिक रिश्तों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों की बहनें भी इस दिन अपने भाइयों की कुशलता और सुरक्षित वापसी की कामना करती हैं। अनेक सैनिक त्योहारों पर अपने परिवार से दूर रहकर देश की रक्षा में जुटे रहते हैं। उनके लिए बहनों की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान सबसे बड़ा उपहार है। इसी तरह समाज में ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के प्रति संवेदना और सम्मान होना चाहिए, जो अपने परिवार और राष्ट्र के दायित्वों का निर्वहन कर रहा है।

आज भारत आर्थिक प्रगति और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन किसी देश की वास्तविक उन्नति केवल बड़ी इमारतों, आधुनिक तकनीक और आर्थिक उपलब्धियों से नहीं मापी जा सकती। परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और नागरिकों में नैतिक जिम्मेदारी भी विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। भैया दूज जैसे पर्व हमारी इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का काम करते हैं। परंपराओं का संरक्षण तभी सार्थक है, जब वे समय के साथ समाज को अधिक संवेदनशील, समानतापूर्ण और मानवीय बनाएं। अंततः भैया दूज हमें प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का संदेश देता है। इस दिन केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भाई-बहन को एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनने का संकल्प भी लेना चाहिए। रिश्तों में स्वार्थ के स्थान पर समर्पण, औपचारिकता के स्थान पर आत्मीयता और दिखावे के स्थान पर संस्कारों को महत्व देना होगा। दीपावली के दीपों के बीच भैया दूज हमें यही समझाता है कि घर की असली रोशनी बिजली के दीयों से नहीं, बल्कि अपनों के प्रेम और विश्वास से कायम रहती है। जिस समाज में रिश्तों की संवेदनाएं जीवित रहती हैं, उसकी संस्कृति कभी कमजोर नहीं पड़ती।

2027 वर्ल्ड कप के लिए चुने पांच तेज गेंदबाज, शमी पर नही भरोसा

सिराज-प्रसिद्ध कृष्णा और हार्दिक पंडया को भी मिली जगह

पूर्व भारतीय स्पिनर ने बताई अपनी पसंदीदा पेस अटैक



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत के पांच संभावित तेज गेंदबाजों का चुनाव किया है। उनकी इस लिस्ट में जसप्रीत बुमराह को पहला स्थान मिला है, जबकि मोहम्मद शमी को लेकर वह असमंजस में नजर आए। अश्विन ने सोनी स्पोर्ट्स से बातचीत के दौरान अपनी पसंद बताई। उन्होंने कहा कि उनकी पहली पसंद जसप्रीत बुमराह होंगे। इसके बाद वह प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में देखना चाहते हैं। अश्विन ने उम्मीद जताई कि प्रसिद्ध कृष्णा पूरी तरह फिट रहें और वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध हों। तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने मोहम्मद सिराज का नाम लिया। अश्विन का मानना है कि सिराज को जल्द से जल्द अपनी पुरानी लय हासिल करनी होगी, ताकि वह विश्व कप में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकें। अश्विन ने चौथे गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर हार्दिक पंडया को चुना। उन्होंने कहा कि हार्दिक टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। उनकी मौजूदगी से भारतीय टीम को काफी फायदा मिलेगा। हालांकि, इसके लिए उनका पूरी तरह फिट रहना जरूरी है। पांचवें गेंदबाज के रूप में अश्विन ने अर्शदीप सिंह को चुना।

वहीं, मोहम्मद शमी को लेकर उन्होंने कहा कि वह उनका नाम लेने में अभी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। गौरतलब है कि शमी हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर चुके हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। ऐसे में भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन को लेकर अभी से चर्चा तेज हो गई है।

'रामायण' ने तोड़े 'धुरंधर-2' और 'पुष्पा-2' के रिकॉर्ड

बुक माय शो पर टिकट बिक्री में बनाया नया कीर्तिमान

चार दिनों में दुनियाभर में 499 करोड़ रुपये के करीब पहुंची कमाई



यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म 'रामायणः राइज ऑफ अ लेजेंड' बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म ने महज एक घंटे में 1,11,830 टिकट बेचकर 'धुरंधर 2' और 'पुष्पा 2' को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले 'धुरंधर 2' के नाम एक घंटे में 1,09,170 और 'पुष्पा 2' के नाम 1,07,650 टिकट बिकने का रिकॉर्ड था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, यह रिकॉर्ड 9 नवंबर को सुबह के दौरान बना। फिल्म ने सुबह 9 से 10 बजे के बीच करीब 91,500 टिकट बेचे, जबकि रविवार को इसी समय 54,760 टिकट बिके थे। दिवाली की छुट्टियों के चलते टिकट बिक्री में तेजी आई। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म का प्रदर्शन शानदार रहा है। रविवार को फिल्म ने भारत में 56.15 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही चार दिनों का घरेलू नेट कलेक्शन 238.85 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 285.20 करोड़ रुपये हो गया। विदेशों में 214 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 499.20 करोड़ रुपये पहुंच गया।

फिल्म ने इसी अवधि में 'आदिपुरुष' की कमाई को भी पीछे छोड़ दिया है। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर इसका निर्माण किया है। फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं।

मोहित चौहान का गाना सुन छलके सलमान के आंसू

'बिग बॉस के वीकेंड के वार में भावुक हुए सलमान खान

सिंगर ने 1963 की फिल्म का गाना सलीम खान को किया समर्पित



यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' के वीकेंड का वार एपिसोड में इस बार मनोरंजन के साथ भावुक कर देने वाला पल भी देखने को मिला। मशहूर सिंगर मोहित चौहान ने सलमान खान के पिता और दिग्गज लेखक सलीम खान के लिए एक खास गाना गाया, जिसे सुनकर सलमान की आंखें नम हो गईं। शो के सामने आए प्रोमो में मोहित चौहान सलमान से कहते नजर आए कि वह उनके बहुत बड़े फैन हैं, लेकिन उनके पिता सलीम खान के और भी बड़े प्रशंसक हैं। यह सुनकर सलमान ने उनका शुक्रिया अदा किया। इसके बाद मोहित ने 1963 में रिलीज हुई फिल्म 'बचपन' का गाना 'मुझे तुमसे मोहब्बत है, मगर मैं कह नहीं सकता' गाकर सलीम खान को समर्पित किया। मोहित की आवाज में यह गाना सुनकर सलमान अपने जज्बातों पर काबू नहीं रख पाए और आंसू छिपाने के लिए दूसरी तरफ मुंह फेर लिया। शो में मौजूद कई कंटेस्टेंट भी इस पल को देखकर भावुक हो गए। गौरतलब है कि सलमान खान अपने पिता सलीम खान के बेहद करीब हैं। पिछले महीने शो में उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपने पिता से एक बेटे के तौर पर हुई गलतियों के लिए माफी भी मांगी थी।

हॉलीवुड एक्टर रसेल ब्रांड को दस साल की सजा

कोर्ट ने कहा-आप यौन शिकारी बन चुके थे

कैटी पेरी से दो साल में टूटी थी शादी

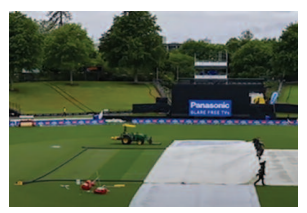


यूनिक समय, नई दिल्ली। हॉलीवुड एक्टर और कॉमेडियन रसेल ब्रांड को रेप और यौन उत्पीड़न के चार मामलों में दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई गई है। ब्रिटेन की साउथवार्क क्राउन कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए उनके व्यवहार पर कड़ी टिप्पणी की। जज जोएल बेननाथन ने कहा कि रसेल ब्रांड मशहूर होने के साथ यौन शिकारी भी बन चुके थे। उनके खिलाफ कुल सात मामलों में सुनवाई हुई, जिनमें चार में दोषी और तीन में बरी किया गया। ये मामले 1999 से 2009 के बीच के हैं। आरोपों के मुताबिक, उन्होंने अपने सेलिब्रिटी स्टेटस का फायदा उठाकर महिलाओं का यौन शोषण किया। जांच के बाद ये आरोप सार्वजनिक हुए थे, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। कोर्ट में ब्रांड ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि उनके सभी संबंध सहमति से बने थे। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने प्रसिद्धि का इस्तेमाल महिलाओं तक पहुंच बनाने के लिए किया। दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। उन्होंने 2010 में अमेरिकी पॉप स्टार कैटी पेरी से शादी की थी, लेकिन करीब दो साल बाद दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद 2017 में उन्होंने लेखिका लॉरा ब्रांड से शादी की।

बारिश ने धोया तीसरा वनडे भारत सीरीज नहीं हारेगा

हैमिल्टन में टॉस के बाद नहीं फेंकी जा सकी एक भी गेंद

2-0 से आगे है टीम इंडिया



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। मंगलवार को न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में टॉस तो हुआ, लेकिन लगातार बारिश के चलते एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। मौसम को देखते हुए मुकाबले को 40-40 ओवर का करने का फैसला लिया गया था, लेकिन हालात में सुधार नहीं हुआ और आखिरकार मैच रद्द करना पड़ा। इस नतीजे के साथ भारतीय टीम ने सीरीज में अपनी बढ़त बरकरार रखी है। भारत शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर 2-0 से आगे है। अब न्यूजीलैंड बाकी दोनों मैच जीत भी जाता है, तब भी सीरीज बराबरी पर समाप्त होगी।

यानी टीम इंडिया के सीरीज हारने का खतरा टल गया है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया, जबकि न्यूजीलैंड ने जैकब डफी की जगह मैट फिशर को मौका दिया। सीरीज के बाकी दो मुकाबले 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे।

जेमिमा रोड्रिग्स की टीम इंडिया में वापसी, तीनों फॉर्मेट में मिला मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की तीन महीने बाद टीम में वापसी हो गई है। बीसीसीआई ने सोमवार को साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट की टीम घोषित की। जेमिमा को तीनों टीमों में जगह मिली है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वह अगस्त से मैदान से बाहर थीं। उनके अलावा अमनजोत कौर और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर की भी टी-20 टीम में वापसी हुई है। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगी। टेस्ट में कप्तान के तौर पर यह उनका पहला मुकाबला होगा। भारत का साउथ अफ्रीका दौरा 9 से 30 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। प्रतिका रावल को भी तीनों फॉर्मेट में चुना गया है, जबकि 22 वर्षीय जिंतिमणि कलिता को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। चोट से उबरने के बाद जेमिमा ने घरेलू टी-20 टूर्नामेंट में मुंबई की ओर से वापसी करते हुए शतक भी लगाया था।

सूर्यकुमार यादव बने मुंबई के कप्तान, शिवम दुबे-सरफराज भी टीम में शामिल

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई ने घोषित की टीम

14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी पहला मुकाबला



यूनिक समय, नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करते नजर आएंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने सोमवार को टूर्नामेंट के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। टीम में शिवम दुबे, सरफराज खान, शार्दूल ठाकुर और तुषार देशपांडे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। मुंबई अपना पहला मुकाबला 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है। उन्हें भरोसा है कि सभी खिलाड़ी एकजुट होकर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। टीम में अंगकृष रघुवंशी, मुशीर खान, सुवेद पारकर, शम्स मुलानी और अथर्व अंकोलेकर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हालांकि, मुंबई की रणजी टीम की कप्तानी करने वाले सिद्धेश लाड को टी-20 टीम में जगह नहीं मिली है। गौरतलब है कि सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने मार्च 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इसके बावजूद जून में चयनकर्ताओं ने उनसे कप्तानी लेकर श्रेयस अय्यर को जिम्मेदारी सौंप दी थी। सूर्यकुमार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टीम में भी जगह नहीं मिली थी। उन्होंने भारत के लिए अब तक 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 3,272 रन बनाए हैं। उनके नाम चार शतक और 25 अर्धशतक दर्ज हैं। शानदार 360 डिग्री बल्लेबाजी के कारण उन्हें मिस्टर 360 भी कहा जाता है। वह 2022 और 2023 में आईसीसी टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम घोषित, पीटरसन व्हाइट को पहली बार मौका

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान

शोएब बशीर बाहर



यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 17 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी जो रूट को सौंपी गई है। 28 वर्षीय स्पिनर लियम पीटरसन-व्हाइट को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है, जबकि शोएब बशीर को बाहर कर दिया गया है।

बशीर इंग्लैंड लायंस की रेड-बॉल टीम के साथ साउथ अफ्रीका जाएंगे। पैटरसन-व्हाइट को काउंटी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है।

उन्होंने पिछले सीजन में 42 विकेट लिए थे। उनके नाम 75 फर्स्ट क्लास मैचों में कुल 184 विकेट दर्ज हैं।

वहीं, घुटने की चोट से उबर चुके जैकब बेथेल की भी टीम में वापसी हुई है। वह पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाए थे। इंग्लैंड ने अनुभवी स्पिनर जैक लीच को भी टीम में जगह नहीं दी है।

तेज गेंदबाज जोश टंग पहले टेस्ट में पारिवारिक कारणों और चोट के चलते उपलब्ध नहीं रहेंगे, हालांकि उन्हें पूरी सीरीज से बाहर नहीं किया गया है। यह नए मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का इंग्लैंड के साथ पहला टेस्ट दौरा होगा।

नरमुंड पहनकर नाचे भोले शंकर वाराणसी की शोभायात्रा में उमड़ी भीड़

गोवर्धन पूजा पर हथुआ मार्केट से निकली भव्य यात्रा

वृंदावन–मथुरा की झांकियां बनी आकर्षण



यूनिक समय, वाराणसी । वाराणसी में गोवर्धन पूजा के अवसर पर मंगलवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें भगवान श्रीकृष्ण–बलराम, शिव–पार्वती और श्रीराम से जुड़ी आकर्षक झांकियां शामिल हुईं। शोभायात्रा में नरमुंड पहनकर नृत्य करते भोले शंकर का स्वरूप लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। इसे देखने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जुटे।

वृंदावन से आए कलाकारों ने राधा–कृष्ण के रूप में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं वाराणसी के खोजवा से आई माता पार्वती की झांकी ने भी लोगों का ध्यान खींचा। शोभायात्रा दोपहर करीब 12 बजे हथुआ मार्केट से शुरू हुई। यह लहुराबीर, कबीरचौरा, मैदागिन, मछोदरी, प्रहलादघाट और भैंसासुर होते हुए शाम करीब 5 बजे नमो घाट स्थित गोवर्धन धाम पहुंचेगी। यहां शोभायात्रा एक विशाल आध्यात्मिक सभा में बदल जाएगी। आयोजन में ग्वाल–बालों की टोली, बनारसी लट्ठबाजी और केदारनाथ मंदिर की झांकी भी आकर्षण का हिस्सा हैं। प्रयागराज, छत्तीसगढ़, वृंदावन और मथुरा से कलाकार विशेष झांकियां लेकर पहुंचे हैं। शोभायात्रा का उद्घाटन परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र यादव करेंगे।

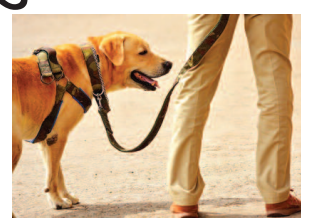
कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी आयोजन में शामिल हुए। धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह गलत है। धर्म को धर्म रहने देना चाहिए और उसे राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव होंगे। उनके साथ उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री गिरीश यादव भी मंच पर मौजूद रहेंगे। सभा में शिक्षा, खेल, चिकित्सा, व्यापार और समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 10 लोगों को 'गोवर्धन श्री सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

शोभायात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन नहीं होने से शहर के प्रमुख रास्तों पर जाम की स्थिति भी बनी रही।

लखनऊ के अमवा जंगल में बोरे में मिला युवक का शव

पुलिया के नीचे पड़ा था तीन से चार दिन पुराना शव

चेहरा काले कपड़े से बंधा मिला, पुलिस पहचान कराने में जुटी



यूनिक समय, लखनऊ । लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र स्थित अमवा जंगल में मंगलवार सुबह बोरे में बंद एक अज्ञात युवक का सड़ा–गला शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव नारायणपुर–फतेहगंज मार्ग से करीब 150 मीटर अंदर कच्चे रास्ते पर बनी पुलिया के नीचे पड़ा मिला। आशंका जताई जा रही है कि युवक की कहीं दूसरी जगह हत्या करने के बाद शव को बोरे में भरकर सुनसान इलाके में फेंका गया। पुलिस के मुताबिक, शव करीब तीन से चार दिन पुराना है। थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने बताया कि पुलिस को पुलिया के नीचे बोरे में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने बोरा खुलवाया तो उसके अंदर युवक का शव मिला। मृतक का चेहरा काले कपड़े से बंधा हुआ था। शव से तेज दुर्गंध आ रही थी। युवक ने नीले रंग का लोअर और लाल रंग की शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर डीसीपी मोहम्मद मुस्ताक ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस आसपास के इलाकों में जानकारी जुटा रही है और शव की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

नोएडा मेट्रो की 85 लिफ्ट पर रहेगी सीसीटीवी की नजर

एक्वा लाइन के सभी 21 स्टेशनों की लिफ्ट में लगेंगे कैमरे

नए साल से शुरू हो सकता है काम

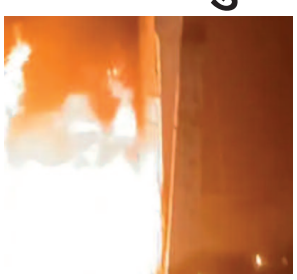


यूनिक समय, नोएडा । नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा लाइन मेट्रो में यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने बड़ा फैसला लिया है। अब मेट्रो स्टेशनों की लिफ्ट में फंसने पर यात्रियों को मदद के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एनएमआरसी एक्वा लाइन के सभी 21 स्टेशनों की करीब 85 लिफ्ट में सीसीटीवी कैमरे लगाने जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक लिफ्ट में एक कैमरा लगाया जाएगा, जिससे कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारी अंदर की स्थिति पर नजर रख सकेंगे। इस परियोजना के लिए जल्द ही टेंडर जारी करने की तैयारी है। उम्मीद है कि नए साल से कैमरे लगाने का काम शुरू हो जाएगा। काम शुरू होने के दो से तीन महीने के भीतर सभी लिफ्ट में कैमरे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल स्टेशनों के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन लिफ्ट के भीतर निगरानी की व्यवस्था नहीं है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसी यात्री के फंसने या लिफ्ट खराब होने पर कंट्रोल रूम से तुरंत स्थिति का पता लगाकर संबंधित टीम को मौके पर भेजा जा सकेगा। दरअसल, 6 मई को सेक्टर–76 मेट्रो स्टेशन की लिफ्ट खराब होने से करीब 10 यात्री 20 मिनट तक अंदर फंसे रहे थे। इस दौरान एक बुजुर्ग महिला की तबीयत भी बिगड़ गई थी। इसके बाद लिफ्ट में कैमरे लगाने की जरूरत महसूस हुई। मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग ने भी 28 अगस्त को ग्रेटर नोएडा डिपो स्टेशन के निरीक्षण के दौरान कैमरे लगाने के निर्देश दिए थे।

मेरठ की हाईराइज बिल्डिंग में लगी आग, चौथी मंजिल तक फैला धुआं

वाशिंग मशीन में शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा

जान बचाने के लिए फ्लैट छोड़कर सड़क पर भागे लोग



यूनिक समय, मेरठ । मेरठ में सोमवार रात गढ़ रोड स्थित एक हाईराइज बिल्डिंग में आग लगने से हड़कंप मच गया। मेडिकल थाना क्षेत्र की इंपीरियल हाइट बिल्डिंग के चौथी मंजिल स्थित एक फ्लैट में रखी वाशिंग मशीन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते फ्लैट से निकला धुआं सीढ़ियों और बिल्डिंग के अन्य हिस्सों में फैल गया। धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी, जिसके बाद वे अपनी जान बचाने के लिए फ्लैट छोड़कर सड़क पर आ गए। घटना से पूरी बिल्डिंग में अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, आग फ्लैट नंबर 409 में लगी थी। यहां वाशिंग मशीन में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग भड़क उठी। इस फ्लैट को कविता पत्नी अनमोल ने किराये पर ले रखा है। आग लगने के बाद धुआं तेजी से आसपास के फ्लैटों और सीढ़ियों तक पहुंच गया, जिससे बिल्डिंग में रहने वाले अन्य परिवार भी घबरा गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और मेडिकल थाना पुलिस मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया और काफी मशक्क त के बाद उस पर काबू पा लिया। पुलिस और दमकल टीम ने लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में भी मदद की। मेडिकल थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि वाशिंग मशीन में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया।

आगरा में 16 साल के छात्र ने दी जान, घर में मचा कोहराम

पिता की मौत के बाद मां और बहन के साथ रहता था छात्र

कमरे से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

यूनिक समय, आगरा। आगरा के सत्यनारायण धाम में 16 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से परिवार में कोहराम मच गया। छात्र का शव सोमवार सुबह उसके कमरे में पंखे से लटका मिला। मां उसे जगाने पहुंचीं तो बेटे को इस हालत में देखकर चीख पड़ीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और छात्र को नीचे उतारा। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान कृष्ण कुमार (16) के रूप में हुई है। वह हाईस्कूल में पढ़ता था। उसके पिता मुकुल कुमार सीआईएसएफ में तैनात थे, जिनकी दो साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद मां भावना विश्वास को मृतक आश्रित कोटे में नौकरी मिली थी। वह बेटे कृष्ण और 20 वर्षीय बेटी खुशी के साथ रहती थीं। परिजनों के मुताबिक, दिवाली की रात कृष्ण खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था, जबकि मां और बहन दूसरे कमरे में थीं। सुबह यह घटना सामने आई। परिवार को छात्र के इस कदम के पीछे की वजह पता नहीं चल सकी है। कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। पुलिस के मुताबिक, मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच की जाएगी।

लखनऊ से सऊदी जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

केबिन प्रेशर कम होने से यात्रियों को सांस लेने में हुई परेशानी

मुंबई एयरपोर्ट पर अनुमति नहीं मिलने के बाद विमान को वापस लखनऊ लाया गया



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को सऊदी अरब की साउदिया एयरलाइंस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यह विमान 275 यात्रियों को लेकर जेद्दा जा रहा था। उड़ान के दौरान विमान के केबिन प्रेशर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यात्रियों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थिति को देखते हुए पायलट ने विमान को वापस लखनऊ लाने का फैसला किया। विमान में यात्रियों के अलावा चार पायलट और छह क्रू मेंबर भी सवार थे। जानकारी के मुताबिक, साउदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 890 शुक्रवार सुबह 10:33 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंची थी। इसके बाद यही विमान फ्लाइट नंबर एसवी 891 बनकर जेद्दा के लिए रवाना हुआ। विमान के उड़ान भरने का निर्धारित समय दोपहर 12:05 बजे था, लेकिन इसने 12:23 बजे टेकऑफ किया। उड़ान के करीब 37 मिनट बाद, दोपहर लगभग एक बजे विमान मुंबई एयरस्पेस के आसपास पहुंचा। इसी दौरान कुछ यात्रियों को सांस लेने में दिक्क त महसूस होने लगी। यात्रियों की परेशानी देखकर क्रू मेंबर्स ने पायलट को इसकी जानकारी दी। जांच में केबिन प्रेशर कम होने की बात सामने आई। इसके बाद पायलट ने मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से मंजूरी नहीं मिल सकी। ऐसे में विमान को लखनऊ की ओर डायवर्ट कर दिया गया। लखनऊएटीसी ने आपात स्थिति को देखते हुए विमान को प्राथमिकता के आधार पर उतरने की अनुमति दी। विमान दोपहर करीब 1:45 बजे सुरक्षित लखनऊ एयरपोर्ट पर उतर गया। उड़ान भरने के लगभग 82 मिनट बाद विमान वापस लखनऊपहुंचा। फिलहाल एयरलाइन के इंजीनियर विमान में आई तकनीकी खराबी को ठीक करने में जुटे हैं। दरअसल, केबिन प्रेशर विमान के भीतर कृत्रिम वायुदाब बनाए रखता है। इससे 30 से 40 हजार फीट की उंचाई पर उड़ान के दौरान भी यात्रियों को सांस लेने में परेशानी नहीं होती।

प्रयागराज थाने में वकीलों का अनोखा प्रदर्शन, डांस–मुशायरे से जता रहे विरोध

63 हजार की धोखाधड़ी के आरोपी एजेंट की गिरफ्तारी की मांग

चार दिन से मच्छरदानी लगाकर थाने में डटे



यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में आठ वकील पिछले चार दिनों से धरने पर बैठे हैं। वे बाइक लोन बंद कराने के नाम पर 63 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एजेंट की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। विरोध जताने का उनका अंदाज भी चर्चा में है। वकील कभी गानों पर डांस करते हैं तो कभी माइक से गजल और शायरी सुनाकर पुलिस का ध्यान खींचते हैं। उन्होंने थाने के बाहर दरी, गद्दे और मच्छरदानी लगाकर डेरा जमा रखा है। कुर्सी-मेज के साथ माइक और लाउडस्पीकर भी लगा लिए हैं। वकील बृजेश तिवारी के मुताबिक, उन्होंने अपनी बाइक का लोन बंद कराने के लिए कान्हा मोटर्स के कर्मचारी अभय पांडेय से संपर्क किया था।

कर्मचारी ने बकाया रकम 63,400 रुपये बताकर सर्वर की समस्या का हवाला दिया और अपने खाते में पैसे जमा करा लिए।

बदले में फर्जी रसीद भी दे दी। बाद में एजेंसी में पता चला कि लोन खाते में कोई भुगतान नहीं हुआ है। बृजेश ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। इससे नाराज होकर 7 नवंबर को वकील धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही प्रदर्शन खत्म होगा। पुलिस मामले में कार्रवाई का आश्वासन दे रही है।

दुनिया के 50 प्रदूषित शहरों में 49 भारत के, श्रीगंगानगर सबसे ऊपर

दिल्ली-भोपाल में एक्यूआई 400 पार

यूपी के नोएडा समेत चार शहरों की हवा खराब, सुप्रीम कोर्ट ने चार राज्यों से मांगा जवाब



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवाली के बाद देशभर में प्रदूषण का स्तर बेहद खराब हो गया है। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं। मंगलवार सुबह राजस्थान के श्रीगंगानगर में सबसे ज्यादा 821 एक्यूआई दर्ज किया गया। सूची में भारत के अलावा केवल पाकिस्तान का लाहौर शामिल रहा, जहां एक्यूआई 430 था। दिल्ली में चांदनी चौक का एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार पहुंच गया। मध्य प्रदेश के भोपाल और उज्जैन के साथ हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी एक्यूआई 400 से ज्यादा रहा। उत्तर प्रदेश में नोएडा का एक्यूआई 332, बुलंदशहर का 331, गाजियाबाद का 324 और बागपत का 305 दर्ज किया गया। इस स्तर की हवा सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक मानी जाती है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकारों से वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर जवाब मांगा है। कोर्ट ने तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाली गाड़ियों की आवाजाही रोकने के उपायों की जानकारी मांगी है। मौसम की बात करें तो तमिलनाडु के थूथुकुडी में बारिश जारी है। उत्तराखंड के पांच पहाड़ी जिलों में भी बारिश की संभावना है। वहीं, मध्य प्रदेश में रात का तापमान 11 डिग्री तक गिर गया है।

शेख हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में हिंसा तेज

ढाका में बसों में आगजनी और देसी बम धमाके

एक रात में 15-20 घटनाएं



यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में संभावित वापसी से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। 8 और 9 नवंबर को राजधानी के कई इलाकों में बम धमाके और आगजनी की घटनाएं हुईं। रविवार रात करीब 10 इलाकों में 15 से 20 घटनाएं दर्ज की गईं। प्रदर्शनकारियों ने बसों में आग लगाई और कई जगह देसी बम फेंके। ढाका यूनिवर्सिटी परिसर में ही छह धमाके हुए। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच देशभर में देसी बम धमाके की 31 और वाहनों में आग लगाने की 14 घटनाएं हुईं। पुलिस को शक है कि इन हमलों के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े लोग हो सकते हैं। पुलिस का दावा है कि कुछ लोगों को पैसे देकर हमले कराए गए। हालांकि, अवामी लीग ने आरोपों को खारिज किया है। हसीना के वकीलों ने भारत में उनके नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र के लिए आवेदन किया है। हसीना अगस्त 2024 में बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। पुलिस ने सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ा दी है।

तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में भीषण धमाका, 17 मजदूरों की मौत

क्रेन के गैस लाइन से टकराने के बाद भट्टी में गिरा सामान

12 घायल, हादसे के मामले में 6 लोग गिरफ्तार



यूनिक समय, नई दिल्ली। तुर्किये के इजमिर शहर के पास सोमवार को एक स्टील फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में 17 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हैं। हादसा उस समय हुआ, जब फैक्ट्री में काम चल रहा था। धमाके के बाद परिसर में आग लग गई और आसमान में धुएं का ऊंचा गुबार दिखाई दिया। मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हादसे की वजह बॉयलर ले जा रही क्रेन का गैस लाइन से टकराना बताया जा रहा है। टक्कर के बाद सामान नीचे लगी भट्टी में गिर गया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि घटना दोपहर के आसपास हुई थी। उन्होंने आशंका जताई कि कुछ लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं। फैक्ट्री संचालित करने वाली कंपनी हबास डेमिर सेलिक ने बताया कि हादसा प्लांट की इलेक्ट्रिक आर्क भट्टी में निर्धारित रखरखाव कार्य के दौरान हुआ। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने भी घटना में हुई मौतों की पुष्टि की और जांच के आदेश दिए हैं। बचाव दल राहत कार्य में जुटे हैं। तुर्किये में औद्योगिक हादसे लंबे समय से चिंता का विषय रहे हैं। इजमिर का अलियागा इलाका बड़े बंदरगाह और जहाजों को तोड़ने के उद्योग के लिए जाना जाता है।

ट्रम्प बोले-हेगसेथ ने दो युद्ध जीते, उन्हें क्यों हटाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव करते हुए उनके खिलाफ महाभियोग की मांग खारिज कर दी है। ट्रम्प ने कहा कि हेगसेथ ने दो युद्ध जीते हैं, ऐसे में उन्हें पद से हटाने की बात क्यों हो रही है। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को भी जरूरी बताया और महाभियोग प्रस्ताव लाने वाले रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी को 'लूजर' कहा। ट्रम्प ने वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान युद्धों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि उन अभियानों के जिम्मेदार लोगों पर महाभियोग क्यों नहीं चलाया गया, जबकि उनमें हजारों लोगों की जान गई थी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका दोबारा हमला कर सकता है। सांसद मैसी ने आरोप लगाया है कि हेगसेथ ने अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर ईरान के खिलाफ गैरकानूनी युद्ध शुरू किया। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में बुधवार तक शुरुआती वोटिंग होनी है।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम के कपाट

पांच क्विंटल फूलों से सजा मंदिर, इस साल 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

अगले छह महीने मुखबा में विराजेंगी मां गंगा



यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार, 10 नवंबर को अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के अवसर पर दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस दौरान हजारों श्रद्धालु मां गंगा को विदाई देने पहुंचे। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली सेना के बैंड और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन के बीच शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना हुई। डोली बुधवार को मुखबा पहुंचेगी। यहां स्थित मुखीमठ में अगले छह महीने तक मां गंगा की पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। डोली यात्रा के दौरान श्रद्धालु मां गंगा के जयकारे लगाते नजर आए। मंदिर समिति के मुताबिक, कपाट बंद होने के बाद भी मंदिर में अखंड ज्योति जलती रहेगी, जिसके अगले साल कपाट खुलने पर दर्शन होंगे। इस साल गंगोत्री धाम में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। कपाट बंद होने के विशेष अवसर पर मंदिर को पांच क्विंटल से ज्यादा फूलों से सजाया गया था।

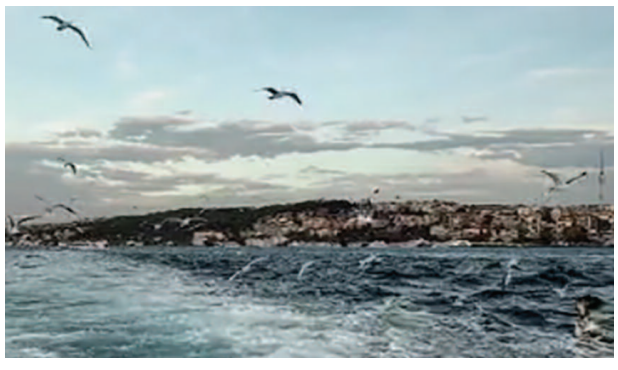
पवन कल्याण और अन्ना कोनिडेला का तलाक, 13 साल का रिश्ता खत्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने अपनी पत्नी अन्ना कोनिडेला से तलाक का ऐलान किया है। दोनों ने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला लिया है। पवन कल्याण के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शादी खत्म होने के बावजूद दोनों अच्छे दोस्त बने रहेंगे और बच्चों की परवरिश मिलकर करेंगे। बयान के मुताबिक, बच्चों की खुशी और भलाई उनकी साझा प्राथमिकता रहेगी। साथ ही दोनों ने लोगों से इस निजी फैसले के दौरान उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की है और साथ देने वालों का आभार जताया है। पवन कल्याण और अन्ना कोनिडेला ने साल 2013 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं, जिनके नाम पोलिना अंजना पवनोवा और मार्क शंकर पवनोविच हैं। इससे पहले पवन कल्याण की दो शादियां हो चुकी हैं। उनकी पहली शादी 1997 में नंदिनी से हुई थी, जबकि दूसरी शादी 2009 में अभिनेत्री रेणु देसाई से हुई थी। रेणु से उनके दो बच्चे हैं।

दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र में बढ़ी ऑक्सीजन

1993 से 2025 के बीच समुद्र के पानी में घुली ऑक्सीजन का स्तर बढ़ा

समुद्री वनस्पतियों और जीवों के लिए अच्छी खबर



यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया के ज्यादातर महासागरों में ग्लोबल वार्मिंग के कारण ऑक्सीजन का स्तर घट रहा है, लेकिन दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्रों में इसके उलट बदलाव देखने को मिला है। गोवा स्थित राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अध्ययन के मुताबिक, 1993 से 2025 के बीच इस क्षेत्र के समुद्री पानी में घुली ऑक्सीजन की मात्रा में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वैज्ञानिकों ने इसे समुद्री पारिस्थितिकी के लिए सकारात्मक संकेत बताया है। अध्ययन में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी 300 से 2,000 मीटर की गहराई पर दर्ज की गई। अंटार्कटिक क्षेत्र में ऑक्सीजन सालाना प्रति किलोग्राम पानी में 2.37 माइक्रोमोल, जबकि ध्रुवीय क्षेत्र में 1.41 माइक्रोमोल बढ़ी। इसके अलावा 2,000 से 5,000 मीटर की गहराई में भी ऑक्सीजन बढ़ने के संकेत मिले हैं। वर्ष 2011 और 2025 के आंकड़ों की तुलना में इसकी मात्रा 4.5 से बढ़कर 5.5 मिलीलीटर प्रति लीटर हो गई। वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान और खारेपन में बदलाव के कारण समुद्र के पानी की अलग-अलग परतों के बीच अंतर कम हुआ है। इससे सतह पर मौजूद ऑक्सीजनयुक्त पानी गहराई तक बेहतर तरीके से पहुंचने लगा है। समुद्री धाराएं भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पानी में घुली ऑक्सीजन की मात्रा तापमान, खारेपन और समुद्री जीवों की गतिविधियों पर निर्भर करती है। सामान्य तौर पर ठंडा पानी गर्म पानी की तुलना में ज्यादा ऑक्सीजन अपने भीतर घोल सकता है। घुली हुई ऑक्सीजन समुद्री जीवन के लिए बेहद जरूरी है। मछलियां और दूसरे समुद्री जीव सांस लेने, बढ़ने और स्वस्थ रहने के लिए इसी का इस्तेमाल करते हैं। यूनेस्को के ग्लोबल ओशन ऑक्सीजन नेटवर्क के मुताबिक, समुद्र में पर्याप्त ऑक्सीजन का होना जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए अहम है। गौरतलब है कि 20वीं सदी के मध्य से दुनिया के महासागरों में ऑक्सीजन करीब 2% घट चुकी है। ऐसे में दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र में इसका बढ़ना वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण खोज है।

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

527 पन्नों की किताब में 7 चैप्टर

पहली मुलाकात से लेकर शादी और 2004 में पीएम पद ठुकराने तक के किस्से साझा किए



यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' बाजार में आ गई है। बिना किसी लॉन्च कार्यक्रम के इसकी बिक्री शुरू हुई है। 527 पन्नों की इस किताब को सात चैप्टर में बांटा गया है। इसके कवर पर सोनिया की तस्वीर है, जिसे उनके पति राजीव गांधी ने 1966 में खींचा था। किताब में नेहरू, इंदिरा, राजीव और राहुल-प्रियंका की कई अनदेखी तस्वीरें भी शामिल हैं। सोनिया ने इसे राजनीतिक किताब के बजाय अपना निजी संस्मरण बताया है। इसकी शुरुआत उन्होंने बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रैहान व मिराया को समर्पित पन्ने से की है। इसके बाद ऋग्वेद की एक ऋचा दी गई है। किताब में सोनिया ने कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से पहली मुलाकात, प्यार और शादी के किस्से साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों की पहली मुलाकात के बाद नजदीकियां बढ़ीं और वे साथ जीवन बिताना चाहते थे। इसके अलावा इटली की नागरिकता छोड़कर भारतीय नागरिक बनने के अनुभव का भी जिक्र है। सोनिया ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले पर भी लिखा है। उनके मुताबिक, राहुल और प्रियंका भी उन्हें इस पद पर नहीं देखना चाहते थे। किताब में इंदिरा और राजीव गांधी की हत्या, कांग्रेस नेतृत्व की जिम्मेदारी और विदेशी नेताओं से जुड़े निजी अनुभव भी शामिल हैं।

यम द्वितीया पर घाटों की सुरक्षा और सफाई को निगम अलर्ट

नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ किया घाटों का निरीक्षण

गोताखोरों से लेकर चेंजिंग रूम तक की गई व्यवस्था

घाटों पर गोताखोर तैनात गहरे पानी में चेतावनी संकेत



यम द्वितीया को लेकर घाटों का निरीक्षण करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। यम द्वितीया (भाई दूज) पर यमुना स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। घाटों पर सफाई, रोशनी, पेयजल और सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। मंगलवार शाम नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने अधिकारियों के साथ विभिन्न घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत कच्चे घाट से हुई। इसके बाद नगर आयुक्त बंगाली घाट, राजा घाट, स्वामी घाट और विश्राम घाट पहुंचे। यहां उन्होंने स्नानार्थियों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा। विश्राम घाट स्थित यम-यमुना मंदिर का भी निरीक्षण किया। घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों पर सफाई, सीवेज और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद संतोष पाठक और अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम ने स्नानार्थियों की सुरक्षा के लिए घाटों पर बैरिकेडिंग कराई है। प्रशिक्षित गोताखोरों को तैनात करने के साथ लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेतक और बैनर लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं को सतर्क करने के लिए लगातार अनाउंसमेंट की व्यवस्था भी की गई है। घाटों और उनसे जुड़े रास्तों पर 24 घंटे सफाई के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुरुषों और महिलाओं के अलग-अलग ढके हुए चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। घाटों पर खोया-पाया शिविर, शुद्ध पेयजल के टैंकर और मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। यमुना तट के कच्चे और पक्के घाटों के साथ पहुंच मार्गों पर स्थायी लाइटों को दुरुस्त कर अतिरिक्त अस्थायी लाइटें भी लगाई गई हैं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का इंतजाम किया गया है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाए।

अधिकारी और कर्मचारी अपने निर्धारित स्थलों पर मौजूद रहकर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने घाटों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए।

षष्ठम पुण्यतिथि



स्व. श्री अशोक कुमार बिन्दल

आपकी कमी हमारे जीवन में कभी पूरी नहीं होगी। आपका स्नेह, आशीर्वाद और संस्कार हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे। आपकी पावन स्मृतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन।

आज आपकी षष्ठम पुण्यतिथि पर समस्त परिवारीजन आपको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत्

ममता बिन्दल (पत्नी)
मनीष बिन्दल-मिनी बिन्दल (पुत्र-पुत्रवधु)
डॉ. श्रुति बिन्दल-मयंक अग्रवाल (IRSSE)
कृति बिन्दल-रितेश अग्रवाल (CMD मन्नत ग्रुप) (पुत्री-दामाद)
शैव्य बिन्दल (पौत्र) नीहू, काशवी (पौत्री)
ग्रन्थ, मिशका, कियारा (धेवता, धेवती)
रामप्रकाश बिन्दल-निशा बिन्दल (ज्येष्ठ भ्राता-भाभी)
डौली बिन्दल (लघु भ्रातावधु)

प्रतिष्ठान:
• होटल के.एम.बी.
• के.एम.बी. बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स
• अशोक गार्डन (गोवर्धन)

इनरव्हील क्लब ने छात्राओं को बांटे सैनिटरी पैड



कार्यक्रम के दौरान मौजूद इनरव्हील क्लब मथुरा वेस्ट की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। इनरव्हील क्लब मथुरा वेस्ट की ओर से राधानगर स्थित श्रद्धानंद आश्रम स्कूल में सैनिटरी पैड वितरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 50 छात्राओं को सैनिटरी पैड वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बरतने, व्यक्तिगत स्वास्थ्य और हाइजीन के महत्व की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि मासिक धर्म एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, ऐसे में इससे जुड़ी झिझक छोड़कर स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना जरूरी है। क्लब की इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी देकर जागरूक बनाना और उन्हें स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष समता भल्ला, सचिव राज भाटिया, सीजीआर इंजीनियर गरिमा साहू, मीनाक्षी अनेजा, जनक खत्री सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अन्नकूट प्रसाद पाने को श्रद्धालुओं में मची होड़



मंगलवार को अन्नकूट प्रसाद के लिए सब्जी काटते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा पर मंगलवार को ब्रजमंडल के घरों और मंदिरों में अन्नकूट प्रसाद तैयार किया गया। भगवान को विभिन्न प्रकार के पकवानों और सब्जियों का भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। अन्नकूट का प्रसाद पाने के लिए मंदिरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहर से शुरू हुआ श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला आरती के बाद देर शाम तक जारी रहा। गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट प्रसाद का विशेष धार्मिक महत्व है। प्रसाद पाने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। मंदिरों में श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। शहर के प्रमुख मंदिरों के साथ ही कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी अन्नकूट प्रसाद वितरण के आयोजन हुए। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से प्रसाद तैयार कर भक्तों को वितरित किया गया। अन्नकूट प्रसाद पाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह रहा। देर शाम तक मंदिरों में प्रसाद वितरण का सिलसिला चलता रहा। शहर के अलावा फरह कस्बा के मुख्य बाजार, फरा देवी मंदिर हनुमान मंदिर, वन खंडी महादेव मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, बिहारी जी मंदिर समेत दीनदयाल धाम, परखम, ओल और बेरी, बरारी के मंदिरों पर प्रसाद पाने को श्रद्धालु देर शाम तक उमड़ते रहे। पूड़ी-सब्जी, कढ़ी, बाजरा-चावल का प्रसाद श्रद्धालुओं को खूब लुभाता रहा।

'भेषजी शिक्षा रत्न' से नवाजे गए डॉ. देवेंद्र और डॉ. कमला पाठक



भेषजी शिक्षा रत्न सम्मान ग्रहण करते डॉ. देवेंद्र पाठक।

यूनिक समय, मथुरा। फार्मेसी के क्षेत्र में शोध, नवाचार और शिक्षण के जरिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले मथुरा के प्रो. (डॉ.) देवेंद्र पाठक और प्रो. (डॉ.) कमला पाठक को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) की ओर से प्रतिष्ठित 'भेषजी शिक्षा रत्न' सम्मान से नवाजा गया है। नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में पीसीआई अध्यक्ष डॉ. मोंटू पटेल ने दोनों शिक्षाविदों को यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान फार्मेसी शिक्षा के उत्थान, शोध कार्यों में योगदान और अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए दिया गया। प्रो. (डॉ.) देवेंद्र पाठक का फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में करीब 35 वर्षों का अनुभव है। उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में डीन और निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इनमें डीन फार्मेसी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), डीन फार्मेसी, उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई और निदेशक राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी मथुरा जैसे संस्थान शामिल हैं। उनके 200 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। वहीं प्रो. (डॉ.) कमला पाठक लगातार छह वर्षों से विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान प्राप्त कर रही हैं। उनके शोध कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उनकी पांच पुस्तकें फार्मेसी के विद्यार्थियों के बीच उपयोगी अध्ययन सामग्री के रूप में प्रचलित हैं। उनके शोध कार्यों से अनेक शोधार्थी आगे का अनुसंधान कर रहे हैं। सम्मान समारोह में पीसीआई के सचिव-रजिस्ट्रार अनिल मित्तल, आईपीजीए अध्यक्ष डॉ. एके नासा, एमवीएन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण गर्ग, एकेटीयू के डीन आकाश वेद और विजय भल्ला सहित देशभर के शिक्षाविद उपस्थित रहे। दोनों शिक्षाविदों को सम्मान मिलने पर विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने शुभकामनाएं दीं।

बाजार में खरीदारी कम, जाम में फंसने की परेशानी ज्यादा

ठेलियों और बेतरतीब पार्किंग ने बढ़ाई मुश्किल



यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर बाजार में खरीदारी के लिए निकलना लोगों के लिए किसी मुश्किल परीक्षा से कम नहीं रहा। बाजार की सड़कों पर वाहनों की ऐसी कतार लगी कि राहगीरों से लेकर वाहन चालकों तक के पहिए थम गए। कुछ देर का रास्ता तय करने में लोगों को काफी समय तक जाम में फंसे रहना पड़ा। बाजार की इस अव्यवस्था ने एक बार फिर यातायात व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। कृष्णानगर क्षेत्र में जाम की समस्या कोई नई नहीं है। आए दिन लगने वाले जाम से दुकानदार, ग्राहक और स्थानीय लोग परेशान हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहन एक-दूसरे के आगे निकलने की कोशिश करते रहे, लेकिन रास्ता नहीं मिलने से स्थिति और बिगड़ गई। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि बाजार में सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन और फल-सब्जियों की ठेलियां जाम की बड़ी वजह बन रही हैं। सड़क का काफी हिस्सा पार्किंग और ठेलियों की भेंट चढ़ जाता है। ऐसे में वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। दुकानदारों के अनुसार, यदि अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर नियमित कार्रवाई हो तो काफी हद तक जाम की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगने की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत कर वाहनों को व्यवस्थित कराया और जाम खुलवाया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन से बाजार में नियमित यातायात निगरानी, अवैध पार्किंग पर कार्रवाई और ठेलियों के लिए निर्धारित स्थान तय करने की मांग की है। अब देखना होगा कि रोजाना की इस परेशानी से लोगों को स्थायी राहत कब मिलती है।

गोवर्धन पूजा में दिखा दीक्षा, श्रद्धा और भाव

यूनिक समय, मथुरा। समूचे ब्रजमंडल में मंगलवार को गोवर्धन पूजा श्रद्धा, भक्ति और परंपरागत उल्लास के साथ मनाई गई। घरों के आंगन से लेकर मंदिरों तक गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना हुई। गोबर से गोवर्धन नाथ की प्रतिमा तैयार कर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन किया। सुबह से ही पर्व को लेकर घरों और मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। दोपहर से देर शाम तक पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। गोवर्धन पूजा पर शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति का अनूठा वातावरण दिखाई दिया। घरों में महिलाओं ने गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बनाई और उसे फूलों, रंगों के अलावा विभिन्न पूजन सामग्रियों से सजाया। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने एकत्र होकर पूजा की और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान गोवर्धन महाराज के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार परिक्रमा भी लगाई। शहर से लेकर गांव और कस्बों में शाम से ही लोगों ने सामूहिक पूजा की।